

संपादकीय

झाकियां निकलीं, यातायात योजना धरी रह गई



डॉ देवेन्द्र मालवीय
संपादक, दैनिक सद्भावना पाटी

इंदौर में अनंत चतुर्दशी पर झाकियां निकलना शहर की वर्षों पुरानी परंपरा है। लाखों लोग इस आयोजन का हिस्सा बनते हैं, इसलिए यातायात व्यवस्था को लेकर पहले से बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं। इस बार भी रूट डायवर्शन, पार्किंग और वैकल्पिक मार्गों की योजना बनाई गई, लेकिन जमीन पर तस्वीर कुछ और ही नजर आई।

शहर के कई प्रमुख मार्गों पर घंटों जाम लगा रहा। वाहन चालक रास्तों में फंसे रहे और कई जगह पुलिसकर्मों भी यातायात संभालने में असहाय नजर आए। सवाल यह है कि जब झाकियों का मार्ग, समय और भीड़ का अनुमान पहले से तय था तो फिर व्यवस्था अचानक क्यों चरमरा गई? हर साल यही समस्या सामने आती है और हर साल अगले आयोजन के लिए बेहतर व्यवस्था का भरोसा दिया जाता है। आखिर कब तक नागरिक घंटों जाम में फंसकर व्यवस्था की कीमत चुकाते रहेंगे? झांकी निकालना इंदौर की पहचान है, लेकिन व्यवस्था भी उसी पहचान का हिस्सा होनी चाहिए। बड़े आयोजन केवल भीड़ और सुरक्षा से नहीं, बल्कि इस बात से सफल माने जाने चाहिए कि आम नागरिक को कम से कम परेशानी हो। प्रशासन को अब कागजों पर बने यातायात प्लान से आगे बढ़कर उसकी वास्तविकता की समीक्षा करनी होगी।

बृजभूषण सिंह के खिलाफ फिर कोर्ट पहुंचीं 4 महिला रेसलर यौन उत्पीड़न केस में बरी करने के फैसले को चुनौती,दलील-आदेश पुरानी सोच वाला



पानीपत (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के खिलाफ 4 महिला पहलवानों ने फिर कोर्ट का रुख किया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अपील दायर कर एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के 3 अगस्त 2026 के फैसले को चुनौती दी है। निवली अदालत ने बृजभूषण शरण सिंह और कुश्ती संघ के तत्कालीन सहायक सचिव विनोद तोमर को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। महिला पहलवानों ने अपनी याचिका में इस फैसले को पुरानी सोच वाला बताया है। उनका कहना है कि फैसले में यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं के व्यवहार को लेकर बनी-बनाई धारणाओं को आधार बनाया गया है। याचिका में तर्क दिया गया है कि फैसले में यह अपेक्षा की गई कि घटना के बाद किस तरह व्यवहार करना चाहिए।

भारत का चीनी संकट और ज्यादा गहराया

● दुनिया के दूसरे सबसे बड़े प्रोड्यूसर के लिए इंपोर्ट की आई नौबत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा शुगर प्रोड्यूसर है। करीब एक दशक तक वह सरप्लस की स्थिति में रहा है। लेकिन, देखते ही देखते अचानक हालात बदल गए हैं। भारत में चीनी संकट गहराता दिख रहा है। इंडस्ट्री के अधिकारियों का कहना है कि भारत को लगातार दूसरे साल चीनी इंपोर्ट करनी पड़ सकती है। गन्ना उगाने वाले मुख्य राज्यों में पानी की भारी कमी से चीनी की रिकवरी घटने और प्रोडक्शन में कमी और बढ़ने का खतरा है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है। यह लगभग एक दशक तक चीनी के मामले में सरप्लस यानी जरूरत से ज्यादा उत्पादन वाला रहा था।

पूरी रात रोशनी के समंदर में डूबी रही अहिल्या नगरी

इंदौर। अनंत चतुर्दशी की रात अहिल्या नगरी इंदौर रोशनी के समंदर में डूब गई। शहर की सड़कों पर जब रंग-बिरंगी, आधुनिक तकनीक और अद्भुत कलाकारी से सजी झाकियों का कारवां उतरा तो पूरा शहर मानो उत्सव में बदल गया। देर रात तक लाखों श्रद्धालु और दर्शक झाकियों को एक झलक पाने के लिए मार्ग के दोनों ओर डटे रहे। अनुमान है कि पांच लाख से अधिक लोगों ने इस ऐतिहासिक आयोजन को देखा और मिल मजदूरों की महीनों की मेहनत से तैयार हुई झाकियों की भव्यता को निहार। कलेक्टर शिवम वर्मा, पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह और निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने खजराना झांकी का पूजन किया और चल समारोह का शुभारंभ किया। ठीक 6 बजे गणेश पूजन के बाद झाकियों का निकलना शुरू हुआ। जैसे-जैसे कारवां आगे बढ़ता गया, वैसे-वैसे शहर का उत्साह चरम पर पहुंचता गया। झिलमिलाती रोशनियों, धार्मिक संदेशों, सामाजिक सरोकारों और आधुनिक तकनीक के अद्भुत संगम ने हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी की निगाहें आकर्षक झाकियों एकटक लगी रहीं।

सड़कों पर लगा मेला
शहर के प्रमुख मार्गों पर मेले जैसा माहौल देखने को मिला। जगह-जगह खान-पान के स्टॉल, श्रद्धालुओं की भीड़, बच्चों की उत्सुकता और भक्ति के रंग ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। परिवारों ने रातभर झाकियों का आनंद लिया और इस सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा बने।

झाकियों के झिलमिलाते कारवां ने रचा नया इतिहास, देखने उमड़ा जनसैलाब

● दस लाख से ज्यादा आंखों ने निहारी मजदूरों की मेहनत की झांकी

● गणेश पूजन के बाद शाम को निकलनी शुरू हुई झाकियां

सात बजे चिकमंगलुर चौराहे पहुंची खजराना की झांकी

शाम को सात बजे ही खजराना की झांकी चिकमंगलुर चौराहे पर पहुंच गई जहां चंद्रमा पर बैठे गणेश को देखते ही बच्चों में खुशी की लहर दौड़ गई तो वहीं रंगबिरंगी लाइट से सजे खजराना गणेश मंदिर की झांकी भी लोगों को लुभा रही थी। आगे आगे दर्जनों लड़कियां भगवा टीशर्ट में बनेटी घुमा रही थी हालांकि इस समय दर्शक थोड़े कम थे।



अखाड़ों ने जमाया रंग बालिकों ने भी दिखाए पटे बनेटी के हाथ

पिता के कंधे पर बच्चे, मां की उंगली थामे नन्हे कदम
अनंत चतुर्दशी चल समारोह में शहर की सड़कों पर बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कोई बच्चा पिता के कंधे पर बैठकर झाकियों का नजारा देख रहा था तो कोई मां की उंगली थामे भीड़ के बीच आगे बढ़ रहा था। झांकी मार्ग पर रंग-बिरंगे गुब्बारे, खिलौने, बाजे, हाथी-घोड़े और तरह-तरह की सजावटी सामग्री बच्चों को आकर्षित कर रही थी। कई जगह बच्चे पुंगी बजाते नजर आए। परिवारों के साथ पहुंचे बच्चों ने झाकियों के साथ मेले जैसा माहौल बना दिया। रोशनी और रंगों से सजे मार्ग पर बच्चों की चहक ने उत्सव की रौनक और बढ़ा दी।



झांकी मार्ग पर अखाड़ों ने हैरतअंगेज करतबों से ऐसा रंग जमाया कि दर्शक दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर हो गए। बालिकाओं ने तलवारबाजी, लाठी, भाला और पारंपरिक युद्ध कौशल के प्रदर्शन ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। युवाओं ने अनुशासन, संतुलन और साहस का परिचय देते हुए एक से बढ़कर एक रोमांचक करतब दिखाए। झाकियों की भव्यता के बीच अखाड़ों के दमदार प्रदर्शन ने धार्मिक आयोजन में रोमांच और उत्साह का नया रंग घोल दिया।



निगम, स्वास्थ्य, फायर और बिजली विभाग मुस्तैद

नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, बिजली विभाग और अन्य एजेंसियां भी पूरी रात मुस्तैद रहीं। सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। भक्ति, कला, परंपरा और आधुनिक व्यवस्थाओं के अद्भुत संगम ने इस बार की झांकी यात्रा को ऐतिहासिक बना दिया। रोशनी से जगमगाती सड़कों पर निकला झाकियों का कारवां न केवल इंदौर की सांस्कृतिक पहचान को नई ऊंचाई दे गया, बल्कि यह भी साबित कर गया कि 103 वर्षों पुरानी यह परंपरा आज भी शहर की आत्मा में जीवित है।



जीवंत रही 103 साल की परंपरा

इंदौर की 103 वर्ष पुरानी झांकी परंपरा इस बार भी पुरे वैभव के साथ जीवंत नजर आई। वर्षों से मिल मजदूरों द्वारा तैयार की जाने वाली झाकियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मेहनत, कला और समर्पण का कोई विकल्प नहीं होता। कई महीनों की कड़ी मेहनत के बाद तैयार हुई झाकियां जब सड़कों पर उतरीं तो ऐसा लगा मानो आसमां से सितारों का कारवां धरती पर उतर आया हो।



चाक चौबंद रही सुरक्षा व्यवस्था

आयोजन को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित बनाने में पुलिस और प्रशासन की भूमिका भी सराहनीय रही। हजारों पुलिसकर्मियों, यातायात जवानों और प्रशासनिक अधिकारियों ने पूरे मार्ग पर लगातार निगरानी रखी। सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और कंट्रोल रूम के माध्यम से हर गतिविधि पर नजर रखी गई। भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, आपातकालीन सेवाओं और सुरक्षा इंतजामों के कारण लाखों लोगों की मौजूदगी के बावजूद कहीं कोई बड़ी अव्यवस्था देखने को नहीं मिली।

बसों का स्टैंडर्ड सुधारिए, नहीं तो कॉन्ट्रैक्टर्स जैसे रगड़ूंगा

● भोपाल में गडकरी बोले-40 फीसदी एयर पॉल्यूशन के लिए मैं जिम्मेदार

प्रदेश के लिए 351 बसों के साथ मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की लॉन्च



भोपाल। मध्यप्रदेश में 21 साल बाद सरकारी बस सेवा फिर शुरू हो गई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और सीएम मोहन यादव ने शुक्रवार को भेल दशहरा मैदान से 351 बसों के साथ मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा लॉन्च की। भोपाल-इंदौर समेत 7 शहरों में इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसें चलेंगी। इनमें 180 इलेक्ट्रिक बसें हैं। सरकार का पहले साल 1,500 और 2031 तक 15 हजार बसें चलाने का लक्ष्य है। गडकरी ने कहा- पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बेहतर बनाना सरकार का विजन है। ट्रांसपोर्ट सुधार के लिए 5 एजेंडा बनाए गए हैं, जिसमें पहला क्लीन ट्रांसपोर्ट है। देश के एयर पॉल्यूशन में करीब 40 फीसदी हिस्सेदारी ट्रांसपोर्ट सेक्टर की है। प्रदूषण के लिए मैं जिम्मेदार हूं। एम्पी में प्रदूषण के लिए सीएम मोहन जिम्मेदार हैं।

पटवर्धन से गडकरी बोले-बसें सुधारिए, नहीं तो रगड़ूंगा- गडकरी ने ऑल इंडिया बस एंड कार कन्फेडरेशन के प्रेसीडेंट प्रसन्ना पटवर्धन से बसों की गुणवत्ता पर कहा-



कहो सुधारिए। नहीं तो जैसे कॉन्ट्रैक्टर्स को रगड़ने का काम करता हूं, वैसे आपके क्षेत्रों को रगड़ूंगा।

सीएम मोहन बोले- 21 साल बहुत लंबा समय

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- कांग्रेस के शासनकाल में राज्य परिवहन बसें बंद हो गई थीं। प्रदेश में 5 लाख किमी से ज्यादा सड़कें बन चुकी हैं और अब बसें से गांवों की भी जोड़ा जाएगा। 75 फीसदी ग्राम पंचायतों तक कनेक्टिविटी पहुंचाने का लक्ष्य है। सीएम ने कहा- मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू हुई है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा- राजकुमार है कि मानता नहीं। उन्होंने यूनियन काबडिड के चकरे के निष्पादन का भी जिक्र किया।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेस ने किया देशभर में प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन कर रही है। उत्तराखंड के देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। कांग्रेस का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव आयोग में मनमानी कर रहे हैं और दो

अन्य आयुक्तों की बात नहीं सुन रहे हैं। पार्टी का ये आरोप इंडियन एक्सप्रेस में छपी उस खबर के बाद आया है जिसमें कहा गया है कि पिछले 10 महीनों में 14 बार दोनों चुनाव आयुक्तों ने आयोग के फैसलों पर आपत्ति जताई है। इधर, कॉंकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार को कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 2 अक्टूबर से

देशव्यापी आंदोलन करेंगे। सीजेपी ने गुरुवार को ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे की डेडलाइन दी थी। एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में सीईसी के फैसलों, दिशानिर्देशों और सॉफ्टवेयर बदलावों को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है।

चार दिन बैंकिंग ठप ! लाखों ग्राहक होंगे परेशान, 5 दिन के सप्ताह की मांग पर देशव्यापी हड़ताल

रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार से बुधवार तक बंद रहेंगे बैंक, नकदी और चेक क्लियरिंग पर पड़गा असर

इंदौर। देशभर के लाखों बैंक ग्राहकों को अगले सप्ताह भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रविवार की साप्ताहिक छुट्टी के बाद 28, 29 और 30 सितंबर को बैंक कर्मचारियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के कारण इंदौर में सरकारी बैंकों सहित कई बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहेंगी। लगातार चार दिनों तक सामान्य बैंकिंग व्यवस्था बाधित होने से नकदी निकासी, चेक क्लियरिंग, ड्राफ्ट, ऋण संबंधी कार्य और शाखाओं में होने वाले अधिकांश कामकाज प्रभावित होने की आशंका है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) ने पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था, पेंशन सुधार और अन्य लंबित मांगों को लेकर तीन दिवसीय हड़ताल की घोषणा की है। बैंक यूनियनों का कहना है कि वर्षों से लंबित मांगों पर सरकार और बैंक प्रबंधन गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं, इसलिए आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने भी ग्राहकों को संभावित व्यवधान के प्रति आगाह किया है। बैंक ने सप्ताह दी है कि ग्राहक आवश्यक लेन-देन, नकदी निकासी और अन्य जरूरी बैंकिंग कार्य पहले ही निपटा लें ताकि हड़ताल के दौरान असुविधा से बचा जा सके।

मांगें नहीं मानीं तो अनिश्चितकालीन तालाबंदी की चेतावनी -

● यूनियनों ने साफ संकेत दिए हैं कि यदि 30 सितंबर तक मांगों पर ठोस निर्णय नहीं हुआ तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। इससे बैंकिंग व्यवस्था पर और बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।
● लाखों खाताधारकों के जरूरी काम अटक सकते हैं।
● व्यापारियों और उद्योगों की भुगतान प्रक्रिया प्रभावित होगी।
● चेक क्लियरिंग और शाखा आधारित सेवाओं पर सबसे ज्यादा असर पड़ेगा।
● त्योहारी सीजन से पहले बैंकिंग व्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा।
● सरकार और बैंक प्रबंधन के बीच खींचतान का खामियाजा एक बार फिर आम ग्राहकों को भुगतना पड़ रहा है। मांगें कर्मचारियों की हैं, लेकिन परेशानी लाखों खाताधारकों की बढ़ने वाली है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकला तो अक्टूबर में बैंकिंग सेवाओं पर और बड़ा संकट खड़ा हो सकता है।

ज्योतिषाचार्य
श्री विनोद जैन (प्रभु)
दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर। सनातन धर्म में पितृ पक्ष का अत्यंत गहरा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। यह केवल कर्मकांड का समय नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता, स्मरण और पितृ ऋण के बोध का अवसर है। शास्त्रीय परंपरा में मनुष्य पर देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण— इन तीन ऋणों का उल्लेख मिलता है।

2026 में कब रहेगा पितृ पक्ष?

इस वर्ष 26 सितंबर, शनिवार को पूर्णिमा श्राद्ध होगा। मुख्य पितृ पक्ष 27 सितंबर, रविवार को प्रतिपदा श्राद्ध से प्रारंभ होकर 10 अक्टूबर, शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या के साथ पूर्ण होगा। जिन पूर्वजों की मृत्यु तिथि ज्ञात हो, उनके लिए उसी तिथि के अनुसार श्राद्ध करने की परंपरा है। मृत्यु तिथि ज्ञात न होने पर सर्वपितृ अमावस्या विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

श्राद्ध का अर्थ क्या है?

श्राद्ध शब्द का संबंध श्रद्धा से माना गया है। धर्मशास्त्रीय परंपरा में श्रद्धापूर्वक पितरों के निमित्त अर्पित किए गए दान, भोजन और कर्म को श्राद्ध कहा गया है। इसलिए इसका मूल भाव दिखावा नहीं, बल्कि श्रद्धा और कृतज्ञता है।

पितृ ऋण का भाव

हमारा शरीर, संस्कार, परिवार, परंपराएं और जीवन की अनेक आधारभूत उपलब्धियां पिछली पीढ़ियों से प्राप्त हुई हैं। इसी कारण पितरों के प्रति कृतज्ञता को पितृ ऋण कहा गया। श्राद्ध और तर्पण इसी ऋण को स्मरण करने की धार्मिक परंपरा है। यह भाव केवल मृत पूर्वजों के स्मरण तक सीमित नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति अपने दायित्व की याद भी दिलाता है।

पितृ पक्ष: केवल कर्मकांड नहीं, पितृ ऋण और कृतज्ञता का पर्व

पितृ पक्ष

केवल कर्मकांड नहीं, पितृ ऋण और कृतज्ञता का पर्व

पितृ पक्ष क्या है?

पितृ पक्ष पूर्वजों के प्रति श्रद्धा का 15 दिन का काल है। हमारा शरीर, संस्कार, नाम, संपत्ति और जीवन की अनेक उपलब्धियां पितरों की देन हैं। सनातन में तीन ऋण माने गए हैं – देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण। पितृ पक्ष उसी ऋण को स्मरण और चुकाने का अवसर है।

2026 में पितृ पक्ष की तिथि

- 26 सितंबर 2026 (शनिवार) – पूर्णिमा श्राद्ध
- 27 सितंबर 2026 (रविवार) – प्रतिपदा से पितृ पक्ष प्रारंभ
- 10 अक्टूबर 2026 (शनिवार) – सर्वपितृ अमावस्या

जिन पूर्वजों की मृत्यु तिथि ज्ञात हो, उनका श्राद्ध उसी तिथि को करें। मृत्यु तिथि ज्ञात न हो तो सर्वपितृ अमावस्या पर श्राद्ध करें।

शास्त्रीय आधार

गरुड़ पुराण, मार्कण्डेय पुराण और महाभारत में वर्णित है कि पितृ पक्ष में पितर पितृलोक से पृथ्वी लोक पर अपने वंशजों के द्वार पर आते हैं।

दानवीर कर्ण की कथा

मान्यता है कि कर्ण ने जीवनभर सोना दान किया लेकिन पितरों के लिए अन्न दान नहीं किया। मृत्यु के बाद उन्हें अन्न के स्थान पर सोना मिला। तब उन्हें 15 दिन के लिए पृथ्वी पर भेजा गया, जहां उन्होंने अन्न-दान और तर्पण किया। इसी से पितृ पक्ष की परंपरा मानी जाती है।

कौन हैं पितर?

- दिव्य पितर – ब्रह्मा से लेकर सृष्टि के आदि पूर्वज
- मनुष्य पितर – हमारे 3 पीढ़ी तक के पूर्वज – पिता, पितामह, प्रपितामह, माता, मातामह आदि। इनकी तुष्टि के लिए ही तर्पण किया जाता है।

श्राद्ध के 3 मुख्य अंग

- तर्पण: काले तिल, जल, कुशा से दक्षिण मुख होकर पितरों को जल अर्पित करना।
- पिंडदान: चावल, जौ, तिल, घी, शहद से बने पिंड। गया, प्रयाग, उज्जैन, नर्मदा तट पर विशेष महत्व।
- दान और भोजन: ब्राह्मण, जरूरतमंद, गाय, कौआ, कुत्ता और अतिथि को भोजन कराने की परंपरा।

क्यों जरूरी है?

- पितरों को गति मिलती है, अतृप्त आत्माओं को शांति।
- पितृ दोष शांत होता है, घर में सुख-शांति आती है।
- परिवार में वंश वृद्धि, समृद्धि और संरक्षण का आशीर्वाद मिलता है।
- यह हमें याद दिलाता है कि हम एक लंबी परंपरा की कड़ी हैं।

क्या नहीं करना चाहिए?

- नया काम, खुरीददारी और मांगलिक कार्य नहीं करें।
- लहसुन-प्याज, मांस-मदिरा से दूर रहें।
- दोष, झूठ और कटु वचन से बचें।
- सात्विक भोजन और ब्रह्मचर्य का पालन करें।

श्राद्ध का समय

दिन में कुतूप काल (दोपहर का समय) में ही श्राद्ध का विधान है। स्थानीय पंचांग के अनुसार समय देखकर करें।

पितृ पक्ष डराने का पर्व नहीं है, यह कहने का पर्व है – “आप थे तो हम हैं, आप तृप्त तो हम तृप्त।” श्रद्धा है तो श्राद्ध है, कृतज्ञता ही धर्म का मूल है।

ज्योतिषाचार्य श्री विनोद जैन (प्रभु), इंदौर

क्यों महत्वपूर्ण है दोपहर का समय?

श्राद्ध के लिए दिन का कुतूप मुहूर्त और उसके बाद का अपराह्न काल शास्त्रीय परंपरा में महत्वपूर्ण माना गया है। विभिन्न स्थानों पर इसका वास्तविक समय स्थानीय सूर्योदय के अनुसार बदलता है। इसलिए श्राद्ध की विधि और समय स्थानीय पंचांग अथवा विद्वान आचार्य से देखकर करना उचित है।

पितृ पक्ष का वास्तविक संदेश

पितृ पक्ष को भय या अशुभता से जोड़ना इसके मूल भाव को सीमित कर देता है। यह समय परिवार की जड़ों को याद करने, पूर्वजों के प्रति कृतज्ञ होने और उनके नाम से दान-पुण्य करने की परंपरा का अवसर है। पितृ दोष, पितरों की अतृप्ति आदि के संबंध में विभिन्न धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं, लेकिन उनका अर्थ आस्था और परंपरा के संदर्भ में समझना चाहिए।

पितृ पक्ष हमें यही स्मरण कराता है—

हम अकेले नहीं हैं, हमारे पीछे पीढ़ियों की एक पूरी परंपरा है। जिन्होंने हमें जीवन दिया, उनका स्मरण और सम्मान करना हमारा संस्कार है। श्रद्धा से किया गया स्मरण ही श्राद्ध है और कृतज्ञता ही इस पर्व का मूल संदेश है।

भोपाल में पूर्व कांग्रेस पार्षद ने लगाई फांसी

सिकल सेल की बीमारी से परेशान थे मुकेश गजभिए, पत्नी अस्पताल ले जाने वाली थीं, तब उठाया कदम

भोपाल (नप्र)। भोपाल के अवधपुरी थाना क्षेत्र में शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व पार्षद मुकेश गजभिए ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वे लंबे समय से सिकल सेल बीमारी से जूझ रहे थे और करीब दो महीने से उनका इलाज चल रहा था। हालांकि, पुलिस ने अभी आत्महत्या की सही वजह की पुष्टि नहीं की है।

अस्पताल जाने से ठीक पहले उठाया कदम

पुलिस के मुताबिक, शुक्रवार को मुकेश की पत्नी उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान उन्होंने घर में फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

मर्ग कायम कर जांच में जुटी पुलिस

अवधपुरी पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। एंड्रशानल पुलिस कमिश्नर शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि फिलहाल आत्महत्या के सटीक कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस परिजनों के बयान, मेडिकल रिकॉर्ड और अन्य परिस्थितियों के आधार पर आत्महत्या की वजह स्पष्ट करने का प्रयास कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति साफ हो सकेगी।

नीट फर्जी सर्टिफिकेट केस में तीसरी गिरफ्तारी

5.58 लाख कैश के साथ भोपाल से पकड़ा गया एजेंट, 45 लाख में करते थे एमबीबीएस सीट की डील

भोपाल (नप्र)। उत्तरखंड में नीट यूजी में फ्रीडम फाइटर आश्रित कोटे के फर्जी सर्टिफिकेट से एमबीबीएस एडमिशन के मामले में तीसरी गिरफ्तारी हुई है। आरोपी धीरज कुमार श्रीवास्तव भोपाल का रहने वाला है और उसके पास से पुलिस को कमीशन के 5.58 लाख रुपए बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी गैंग में एक एजेंट के रूप में काम करता था और फर्जी सर्टिफिकेट के जरिए एमबीबीएस एडमिशन दिलाने के लिए 45 लाख रुपए में डील करता था।

इस मामले में पहले रुपेश पंडित और अरविंद कुमार गिरफ्तार हो चुके हैं। जांच में सामने आया कि तीन अभ्यर्थियों के परिवार से 20-20 लाख रुपए एडवांस लिए गए थे। अब एसआईटी इस पूरे नेटवर्क में एजेंटों और फर्जी दस्तावेज तैयार करने वालों की भूमिका खंगाल रही है।

सीएम ने जेट के बाद 225 करोड़ में खरीदा हेलिकॉप्टर,9 यात्री बैठ सकेंगे

पायलटों की कनाडा में ट्रेनिंग, हर 50 किमी पर बनेंगे हेलिपैड

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश सरकार ने करीब 225 करोड़ रुपए का एयरबस ACH 160 हेलिकॉप्टर खरीदा है। वहीं, करीब 350 करोड़ रुपए का बोम्बार्डियर चैलेंजर-3500 जेट बेड़े में शामिल होने वाला है। जेट की डिलीवरी सितंबर के आखिरी तक हो सकती है। नए हेलिकॉप्टर और जेट का प्रदेशभर में इस्तेमाल हो सके, इसके लिए सरकार हेलिपैड और हवाई पट्टियां विकसित करेगी। सरकार अपने हवाई बेड़े को हाइटेक बनाने के साथ एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की तैयारी कर रही है।



हर 50 किलोमीटर पर हेलिपैड बनाने की तैयारी

प्रदेश में अभी करीब 250 हेलिपैड बताए जाते हैं। सरकार अगले दो साल में करीब 63 नए हेलिपैड बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इनका नेटवर्क हर 50 किलोमीटर के दायरे में बनाने की योजना है। इससे मुख्यमंत्री और अन्य वीआईपी के लिए जिलों तक पहुंचना आसान हो सकता है। अभी कई दौरो में पहले विमान से एयरपोर्ट पहुंचना पड़ता है, फिर वहां से हेलिकॉप्टर या सड़क के रास्ते आगे जाना होता है। पर्याप्त हेलिपैड बनने के बाद संबंधित क्षेत्र के नजदीक हेलिकॉप्टर से सीधे पहुंचने का विकल्प मिलेगा।

अमेरिकी जियोलॉजिस्ट ने गाया ‘मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान’

इंस्टाग्राम पर शेयर किया वीडियो; 15 लाख से ज्यादा व्यूज, भाजपा विधायक ने भी शेयर किया

भोपाल (नप्र)। अमेरिकी जियोलॉजिस्ट और वैदिक मेडिटेशन शिक्षक एलेक सोडरबर्ग ने फिल्म 'हनुमान अंश' का भजन 'मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान, सागर में नैया डार दई' अपनी आवाज में गाया है। उन्होंने खुद इकतारा तैयार किया और उसी की धुन पर भजन गाया। एलेक ने इसका वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसे अब तक 15 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है।

खुद बनाया इकतारा, फिर गाया भजन- वीडियो में एलेक तानपुरे/एकतारे जैसे पारंपरिक तार वाले वाद्य के साथ भजन गाते नजर आते हैं। उन्होंने खुद इकतारा तैयार किया और इसके बाद सुनील लोधी के गए भजन को अपनी आवाज में प्रस्तुत किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।



यूजर्स उनके गायन और भक्ति भाव की तारीफ कर रहे हैं।

भाजपा विधायक ने शेयर किया वीडियो- भोपाल की हुजूर सीट से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने एलेक का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने लिखा- मैंने तेरे ही भरोसे, हनुमान भजन की गुंज आज भारत ही नहीं, विदेशों में भी सुनाई दे रही है। यह सनातन

भक्ति की उस शक्ति का प्रमाण है, जो भाषा और सीमाओं से परे हर हृदय को जोड़ती है। 'मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान, सागर में नैया डार दई' का मूल वर्जन भजन गायक सुनील लोधी ने गाया और कंपोज किया है। यह भजन फिल्म 'हनुमान अंश' में शामिल है और नीम करौली बाबा तथा हनुमान भक्ति की आध्यात्मिक पृष्ठभूमि से जुड़ा है।

बौद्ध मठ का पता, 50 पासपोर्ट में सिर्फ तीन गवाह दूसरे राज्यों में भी पहुंची एसटीएफ की जांच, 70 नकली पासपोर्ट मिले

भोपाल (नप्र)। एसटीएफ ने संगठित फर्जी पासपोर्ट रैकेट की जांच में करीब 70 फर्जी पासपोर्ट का पता लगाया है। ये पासपोर्ट राज्यों में अलग-अलग पतों का इस्तेमाल करके बनवाए गए थे। अब जांच में बड़े नेटवर्क और अधिकारियों की संभावित मिलीभगत की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

छह संदिग्ध हुए गिरफ्तार- एसटीएफ के डीआईजी राहुल लोधा ने बताया कि अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है और फर्जी पासपोर्ट बनाने और हासिल करने के पीछे पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच जारी है। उन्होंने कहा कि यह एक बहुस्तरीय मामला है और जांच अभी भी चल रही है। अब तक छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें दो दिन पहले की गई ताजा गिरफ्तारी भी शामिल है।

ये लोग हुए हैं गिरफ्तार- ताजा गिरफ्तारी 23 सितंबर को गयाप्रसाद गौतम की हुई थी। इससे पहले 25 अगस्त से 18 सितंबर के बीच रियाल चौधरी उर्फ भंते मेतानंद, विप्लव अधिकारी, प्रियन राय, जाँय चौधरी और नसीम अख्तर को गिरफ्तार किया गया था।

बौद्ध मठों के पते का हुआ इस्तेमाल

एसटीएफ के अनुसार जांच में सामने आया है कि पासपोर्ट आवेदनों में बौद्ध मठों के पतों का बार-बार इस्तेमाल किया गया था। ऐसे मामले भोपाल, बैतुल, छिंदवाड़ा, डबरा और पाहुना में सामने आए हैं। एसटीएफ ने भोपाल के अन्नानगर से जुड़े 40 मामले, डबरा से 17, बैतुल के आमला बौद्ध मठ से 11 और छिंदवाड़ा-पाहुना से 2 मामले चिह्नित किए हैं।

तीन लोग बार-बार बने गवाह

गवाहों के इस्तेमाल में भी एक बड़ा पैटर्न सामने आया है। अब तक मिले 70 फर्जी पासपोर्ट में से करीब 50 मामलों में तीन लोग (गया प्रसाद गौतम, गुलाब राय और रियाल चौधरी उर्फ भंते मेतानंद) गवाह के तौर पर पेश हुए थे। कई पासपोर्ट आवेदनों में उनके मोबाइल नंबर भी दर्ज मिले हैं।

एक ही पते पर कैसे बने पासपोर्ट

एक ही मठ के पते और गवाहों का बार-बार इस्तेमाल जांच का अहम बिंदु बन गया है। एसटीएफ यह भी जांच कर रही है कि पासपोर्ट आवेदन कैसे प्रोसेस हुए। एसटीएफ डीआईजी राहुल लोधा ने बताया कि आरोपियों ने भोपाल, बैतुल, छिंदवाड़ा, डबरा और पाहुना में मठों के पतों का इस्तेमाल करके पासपोर्ट बनवाए। जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की मदद से पासपोर्ट तैयार किए गए थे। पासपोर्ट सेवा केंद्र से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में निगम की पहल

पर्यावरण हितैषी कुंड में नागरिक कर रहे माटी के श्री गणेश प्रतिमाओं का विधि-विधान से विसर्जन



इंदौर. प्रभारी महापौर राजेंद्र राठौड़ एवं आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार इंदौर नगर निगम द्वारा पर्यावरण एवं जल संरक्षण को दृष्टिगत रखते हुए श्री गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए शहर में विशेष व्यवस्थाएं की गईं। इसी क्रम में शहर के 100 से अधिक स्थानों पर श्री गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की व्यवस्था की गई है। सामान्य प्रशासन प्रभारी नंदकिशोर पहाड़िया एवं जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा 'बबलू' ने बताया कि निगम द्वारा पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न स्थानों पर पर्यावरण हितैषी कुंड भी तैयार किए गए हैं। इन कुंडों में नागरिक माटी से निर्मित श्री गणेश प्रतिमाओं का स्वयं अपने हाथों से विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक पूजन करने के पश्चात विसर्जन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पर्यावरण हितैषी कुंड की व्यवस्था का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ जल स्रोतों एवं पर्यावरण को संरक्षित करना है। निगम द्वारा नागरिकों से भी अपील की जा रही है कि वे श्री गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित पर्यावरण हितैषी कुंडों में ही करें तथा पर्यावरण संरक्षण में अपनी सहभागिता निभाएं।

पितृ पुरुष पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर भाजपा नेताओं ने बापट चौराहा और भँवर कुआं स्थित प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण कर उनके विचारों को आत्मसात करने का लिया संकल्प



इंदौर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के अवसर पर भाजपा नेताओं ने उनकी बापट चौराहे और दीनदयाल उपवन, भँवरकुआं स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया। बापट चौराहे पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक रमेश मेंदोला, सुदर्शन गुप्ता, कार्यकारी महापौर राजेंद्र राठौर, निरंजन सिंह गुहू, कमल वाघेला, टीनु जैन, सुधीर कोल्हे, दीप्ति हाडा, हेमराज वाडिया, सचिन बंसल, गोविंद पंवार, भूपेंद्र केसरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण किया। दीनदयाल उपवन भँवरकुआं में मंत्री तुलसीराम सिलावट शंकर लालवानी, महेंद्र हाडिया, मधु वर्मा, कैलाश पीपले, हरप्रीत बक्शी, महेश कुकरेजा, गौतम शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण किया। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भारतीय राजनीति के प्रेरणास्रोत और संगठन के पितृ पुरुष हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा, समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति के उत्थान तथा अंत्योदय के विचार को समर्पित किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार समाज और राष्ट्र के लिए आज प्रासंगिक हैं, क्योंकि एकात्म मानववाद के विचार से ही राष्ट्र का उत्थान सम्भव है, अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचेगा तभी कोई भी राष्ट्र विकसित राष्ट्र कहलायेगा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व वाली सरकार ने योजनाओं के माध्यम से गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के कल्याण कर रही है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प में हम सभी को सहभागी बनकर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के सपनों का भारत बनाना है।

लवकुश डबल फ्लाईओवर में लेटलतीफी पर संभागायुक्त का सख्त एक्शन 5 अक्टूबर तक काम पुरा करने का अल्टीमेटम, प्राधिकरण के दो इंजीनियरों का वेतन कटा

इंदौर। संभागायुक्त भास्कर लाक्षाकार ने शुक्रवार को लवकुश चौराहा स्थित निर्माणाधीन डबल लेयर फ्लाईओवर ब्रिज की दूसरी भुजा, टीपीएस-1 और टीपीएस-5 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बिज निर्माण से संबंधित एजेंसी के अधिकारियों और इंजीनियर्स से निर्माण कार्यों की जानकारी प्राप्त की। साथ ही निर्माणाधीन कार्यों की प्रोजेक्ट एवं ड्राइंग रिपोर्ट भी देखी। इस दौरान इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, इंजीनियर्स, नगर नियोजक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने लवकुश चौराहा स्थित निर्माणाधीन डबल लेयर फ्लाईओवर ब्रिज की दूसरी भुजा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि लवकुश फ्लाईओवर लेवल-2 का कार्य निर्धारित समय-सीमा के बावजूद पूर्ण नहीं हुआ है। योजना कार्यपालन यंत्री द्वारा पूर्व में कार्य पूर्ण करने की समय-सीमा 15 सितंबर 2026 बताई गई थी, लेकिन निर्धारित तिथि के 10 दिन बाद भी कार्य अपूर्ण पाया गया। इस संबंध में आईडीए के योजना कार्यपालन यंत्री



राजीव सक्सेना एवं कार्यपालन यंत्री (विद्युत) राकेश अखण्ड द्वारा दिया गया स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर संभागायुक्त ने राजीव सक्सेना के 15 दिन एवं राकेश

अखण्ड के 10 दिन के वेतन की कटौती के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को डबल लेयर फ्लाईओवर ब्रिज की दूसरी भुजा का कार्य आगामी 5 अक्टूबर 2026 तक



'चौड़ाई बढ़ने' की बात कहते हुए सुना गया। इस टिप्पणी पर कांग्रेस नेताओं ने सवाल उठाए और इसे लेकर

राजनीतिक विवाद हुआ। विवाद के बाद विजयवर्गीय ने सफाई देते हुए संस्था यादव को बेटी के समान बताया

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 का जबरदस्त क्रेज

मात्र सवा दो घंटे में बिके सारे टिकट, हजारों क्रिकेट प्रेमी लौटे खाली हाथ

महंगी टिकटें भी नहीं रोक पाई दीवानगी, ऑनलाइन कतार ने बढ़ाई परेशानी, अब सोशल मीडिया पर शुरू हुई कालाबाजारी

इंदौर। होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को होने वाले भारत-वेस्टइंडीज टी-20 मुकाबले ने इंदौर में क्रिकेट का ऐसा बुखार चढ़ाया कि टिकट बिक्री शुरू होने के महज 40 मिनट के भीतर करीब 90 फीसदी टिकट बुक हो गए। सुबह 6 बजे जैसे ही ऑनलाइन विंडो खुली, हजारों क्रिकेट प्रेमी मोबाइल और लैपटॉप लेकर स्क्रीन से चिपक गए। लेकिन टिकटों की दौड़ में बड़ी संख्या में लोग लंबी ऑनलाइन कतार में ही फंसकर रह गए।

मैच के टिकटों की कीमत कैटेगरी के अनुसार तय की गई है। सामान्य गैलरी (ईस्ट और वेस्ट) के टिकट 1,000 से 1,800 रुपए तक हैं। पवेलियन के टिकट 5,500 से 8,500 तक हैं, जबकि हॉस्पिटैलिटी कैटेगरी के टिकट 11,000 और 12,500 तक हैं। एक व्यक्ति अधिकतम 4 टिकट खरीद सकता है।

हरानी की बात यह रही कि 1,000 से 12,500 तक की महंगी टिकटें भी प्रशंसकों का उत्साह कम नहीं कर सकीं। जीएसटी और बुकिंग शुल्क जोड़ने के बाद टिकटों की कीमत और बढ़ गई, फिर भी टिकट हाथों-हाथ बिक गए। इससे साफ है कि होलकर में टीम इंडिया को देखने की दीवानगी किसी कीमत की मोहताज नहीं है।

दूसरी ओर टिकट बिक्री खत्म होते ही सोशल मीडिया पर कालाबाजारी के खेल ने सिर उठाना शुरू



कर दिया। कई लोगों ने टिकट उपलब्ध होने के दावे करते हुए पोस्ट डालना शुरू कर दिया। सवाल यह है कि आम क्रिकेट प्रेमी टिकट के लिए लाइन में जूझता रहा और कुछ लोगों के पास बेचने के लिए अतिरिक्त टिकट कहाँ से आ गए?

साइबर पुलिस ने अलर्ट जारी कर प्रशंसकों को चेताया है कि सोशल मीडिया पर बिक रहे टिकटों के झंसे में न आएँ। फर्जी लिंक, नकली

टिकट और ऑनलाइन भुगतान के नाम पर ठगी का खतरा बढ़ गया है। मैच से पहले ही टिकटों की मारामारी ने साबित कर दिया कि इंदौर क्रिकेट का बड़ा केंद्र है। लेकिन टिकट खत्म होने के साथ ही कालाबाजारी के संकेत यह भी बता रहे हैं कि व्यवस्था पर निगरानी नहीं बढ़ी तो असली दर्शक फिर ठगे जाएंगे और मुनाफाखोर बाजी मार ले जाएंगे।

बिना लायसेंस चल रहा था चल रहा था अवैध दवा का गोदाम, 52 लाख की गर्भपात किट का काला खेल बेनकाब, घर में बना रखा था अवैध गोदाम

इंदौर। कलेक्टर के निर्देश पर औषधि विभाग ने शहर में बड़ी कार्रवाई करते हुए बिना लाइसेंस संचालित किए जा रहे एक कथित अवैध दवा गोदाम का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान धार कोठी क्षेत्र स्थित एक मकान से 10 हजार से अधिक गर्भपात किट जब्त की गई, जिनकी अनुमानित कीमत 52 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। ड्रग अधिकारी सारिका अग्रवाल के अनुसार, संबंधित परिसर में दवाओं का भंडारण वैध लाइसेंस

के बिना किया जा रहा था। प्राथमिक जांच में जावेद खान और अजय स्वदतकर नामक व्यक्तियों की भूमिका सामने आई है, जो कथित रूप से इस गोदाम का संचालन कर रहे थे। विभाग ने मौके से बड़ी मात्रा में किट और दवाएं जब्त कर उनके दस्तावेजों और खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में गर्भपात किट किसके लिए और कहाँ खपाई जा रही थीं? यदि यह भंडारण वैधानिक

नियमों के विपरीत किया जा रहा था, तो जिम्मेदार लोग अब तक कार्रवाई से कैसे बचे रहे? शहर के बीचों-बीच चल रहे इस कथित नेटवर्क ने निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रशासन का कहना है कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और दवा नियंत्रण अधिनियम के तहत आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जांच के बाद यह भी स्पष्ट होगा कि जब्त सामग्री की आपूर्ति श्रृंखला में और कौन-कौन लोग शामिल थे।

गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यकता होने पर संसाधन बढ़ाए जाएं। साथ ही सर्विस रोड का कार्य भी समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने कहा कि ब्रिज की दूसरी भुजा का कार्य पूर्ण होने से आम नागरिकों का आवागमन और अधिक सुगम एवं सुस्थित होगा।

संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने अधिकारियों के साथ स्टार सिटी चौराहा स्थित आईडीए की टीपीएस-1 एवं बायपास कनाडिया स्थित टीपीएस-5 में हो रहे विकास कार्यों का भी मौका निरीक्षण किया और प्रोजेक्ट के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संबंधित कार्यपालन यंत्री एवं संबंधित कंपनी को निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। दोनों योजनाओं में सड़क निर्माण सहित स्टॉर्म वॉटर लाइन, आंतरिक रोड आदि के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

संभागायुक्त श्री लाक्षाकार ने अधिकारियों के साथ कनाडिया स्थित वर्षों पुरानी बावड़ी का भी निरीक्षण किया और उसकी सफाई के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी टीपीएस योजनाओं में आ रही बाधाओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एबी रोड एलिवेटेड ब्रिज पर दो मशीन से कर रहे पाइलिंग

- महीनों से बंद सड़क , जनता रोज भुगत रही परेशानी
- एलआईजी से नवलखा तक निर्माण की रफ्तार सवालों में, आधी सड़क पर काम और पूरी जनता जाम में

इंदौर। शहर के सबसे महत्वाकांक्षी एलिवेटेड ब्रिज प्रोजेक्ट का काम एक बार फिर सवालों के घेरे में है। एलआईजी से नवलखा तक बनने वाले 6.5 से 7.40 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड ब्रिज के लिए महीनों पहले एबी रोड को बीच से बंद कर दिया गया था, लेकिन लंबे समय तक मशीनों बंद खड़ी रही और निर्माण कार्य रंता रहा। अब दो डेमॉशन मशीनों से पाइलिंग शुरू हुई है, लेकिन धीमी गति के कारण राहगीरों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं।

वर्तमान में एक मशीन जीपीओ क्षेत्र से और दूसरी एलआईजी चौराहे की ओर से पाइलिंग कर रही है। एलआईजी से सीएच अस्पताल तक सड़क के बीच गहरे गड्ढे खोदे जा चुके हैं, जबकि शिवाजी चौराहे के आसपास सुरक्षा के नाम पर पतरे लगा दिए गए हैं। नतीजा यह है कि सड़क की चौड़ाई काफी कम हो गई है और दिनभर वाहनों की लंबी कतारें लग रही हैं।

एलआईजी चौराहे से इंडस्ट्री हाउस तक की सड़क महीनों पहले बंद कर दी गई थी लेकिन निर्माण की वास्तविक गति अब जाकर दिखाई दे रही है। शहर की सबसे व्यस्त सड़क पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ता जा रहा है, लेकिन काम की रफ्तार अभी भी अपेक्षित स्तर पर नहीं पहुंची है।

पौडब्ल्यूडी द्वारा बनाए जा रहे इस एलिवेटेड ब्रिज का स्ट एलआईजी, पलासिया, गीता भवन, शिवाजी वाटिका, जीपीओ, इंदिरा प्रतिमा होते हुए नवलखा तक रहेगा। परियोजना में एलआईजी, शिवाजी वाटिका और नवलखा पर रोटी तथा ग्रेटर कैलाश रोड, ढक्कनवाला कुआं और एग्रीकल्चर कॉलेज रोड पर अतिरिक्त रैप भी प्रस्तावित हैं।

पहले 6 लेन के रूप में प्रस्तावित इस प्रोजेक्ट को अब 4 लेन (15.5 मीटर चौड़ाई) में अंतिम रूप दिया गया है। डिजाईन में बदलाव के बाद लागत भी बढ़कर लगभग 600 से 650 करोड़ रुपये तक पहुंचने की चर्चा है।

सवाल सिर्फ ब्रिज बनने का नहीं, बल्कि निर्माण की कार्यशैली का है। यदि काम की गति नहीं बढ़ी तो आने वाले महीनों में एबी रोड पर ट्रैफिक संकट और गह्राएगा।

श्रीगणेश के स्टीकर से दिया ट्रैफिक जागरुकता का संदेश

इंदौर। ट्रैफिक पुलिस निरंतर जागरुकता अभियान चला रही है। इसी क्रम में ट्रैफिक पुलिस ने श्रीगणेश के स्टीकर में जागरुकता का संदेश लिखकर कई वाहन चालकों को दिए हैं। संदेश वाले स्टीकर में ट्रैफिक के नियमों का पालन करने की अपील की है। इस दौरान ट्रैफिक नियमों का पालन करने वाले,हेलमेट-सीट बेल्ट लगाकर वाहन चालाने वालों को चाकलेट और फूल भी दिए गए। ट्रैफिक पुलिस ने चाणक्यपुरी चौराहा पर विशेष यातायात जागरुकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के दौरान भगवान गणेश जी के विभिन्न स्वरूपों वाले छोटे-छोटे स्टिकर्स तैयार कर वाहन चालकों को वितरित किए गए। जो वाहन चालक यातायात नियमों का पालन नहीं कर रहे थे, उन्हें स्टिकर देकर यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया। जो वाहन चालक हेलमेट पहनेकर एवं अन्य यातायात नियमों का पालन करते हुए पाए गए, उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप चाॅकलेट वितरित की गई। अभियान के दौरान यातायात पुलिस द्वारा ड्रोन के माध्यम से भी यातायात जागरुकता एवं निगरानी की गई तथा वाहन चालकों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक किया गया। अभियान में यातायात निरीक्षक सोनाली मोर्य, निरीक्षक लक्ष्मी धावले, पी.एस. नागर, ट्रैफिक प्रहरी टीम तथा डायरोमा एजुवर्सिटी के शिक्षक एवं विद्यार्थी शामिल हुए।

12 लाख की ड्रस तस्करी मामले में तीसरा आरोपी भी गिरफ्तार, मंदसौर के बाद अब शामगढ़ में कार्रवाई

इंदौर। पूर्व में दर्ज 121 ग्राम.एम.डी. ड्रस जत्ती के मामले में पुलिस ने बैकवर्ड लिंकेज के आधार पर कार्रवाई करते हुए मुख्य नेटवर्क से जुड़े एक और सहआरोपी को धरदबोचा है। पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से हुई कड़वा से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद पुलिस ने इस आरोपी को थारा 8/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत राउंडअप किया है। क्राकम ब्रांच की टीम ने मुखबिर की सटीक सूचना पर टिगरिया बादशह रोड, टीसीएस चौराहे के पास घेराबंदी करके मंदसौर के नाहरगढ़ निवासी शैलेंद्र चौहान को 121 ग्राम अवैध एमडी ड्रस के साथ रौं के हाथों गिरफ्तार किया था, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 12 लाख बताई गई थी। इस मामले की गहराई से विवेचना करते हुए पुलिस ने बैकवर्ड सप्लाई चेन का सुराग निकाला और पूर्व में दूसरे सह-आरोपी चेतन राठौर निवासी नाहरगढ़, मंदसौर को सलाखों के पीछे भेजा था। ताजा पूछताछ और मोबाइल कॉल डिटेल सहित अन्य तकनीकी साक्ष्यों की पड़ताल के दौरान इस बात का खुलासा हुआ कि एम.डी. ड्रस की इस खेप को इंदौर तक पहुंचाने में मंदसौर के शामगढ़ निवासी राहुल राठौड़ की भी सक्रिय भूमिका थी।

रक्षा संवाद

ईरानी बलूचिस्तान में आईआरजीसी कमांडर की हत्या- बलूचों की बढ़ती ताकत ईरान, पाकिस्तान के लिए खतरे की घंटी



डॉ राजेश जौहरी
दैनिक सदभावना पाती

ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कोर (आईआरजीसी) के एक वरिष्ठ कमांडर हुसैन जरीफी की बलुच लड़कों के साथ युद्ध में मौत की खबर क्षेत्रीय सुरक्षा

टकराव का महत्वपूर्ण उन्नयन माना जा रहा है।

सिस्तान-बलूचिस्तान ईरान का सबसे गरीब और अशांत प्रांत है। यह ग्रेटर बलूचिस्तान का हिस्सा है, जो पाकिस्तान और अफगानिस्तान तक फैला है। आर्थिक बदहाली, जातीय असंतोष और सीमा पार प्रभावों ने यहां लंबे समय से हिंसा को बढ़ावा दिया है। पूर्वी सीमा पर अस्थिरता ईरान के लिए रणनीतिक चुनौती बनी हुई है। आईआरजीसी की मजबूत उपस्थिति के बावजूद स्थानीय प्रतिरोध समाप्त नहीं हो रहा।

यह घटना ईरान की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर करती



समीकरण को नया मोड़ दे रही है। ईरानी राज्य मीडिया के अनुसार, आईआरजीसी, खुफिया मंत्रालय और पुलिस के संयुक्त आतंकवाद-रोधी अभियान में जरीफी मारे गए। अभियान में पांच सशस्त्र बलुच लड़कों की मौत और हथियार जब्त होने का दावा किया गया।

विपक्षी और स्थानीय स्रोतों का आख्यान अलग है। उनके अनुसार यह बलुच लड़कों द्वारा रची गई एम्बुश की चाल थी, जिसमें एक और आईआरजीसी जवान मारा गया तथा कम से कम 13 सुरक्षाकर्मी घायल हुए। जरीफी कुदूस फोर्स से जुड़े थे और सरवान स्थित 'सज्जाद ऑपरेशनल बेस' के कमांडर थे। इस स्तर के अधिकारी की मौत को बलूचिस्तान क्षेत्र में चल रहे

है। अगर इसी तरह की घटनाएं अन्य प्रांतों में फैलती हैं, तो ईरानी शासन पर हर तरफ से दबाव बढ़ेगा। ईरान का क्षेत्रीय शक्ति संतुलन और सीमा सुरक्षा दोनों प्रभावित हो सकते हैं। ईरान को इस संकट का सैन्य से अधिक राजनीतिक और आर्थिक समाधान खोजना होगा, अन्यथा पूर्वी मोर्चा और अस्थिर हो सकता है। इस घटना का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है इसका पाकिस्तान पर पड़ने वाला प्रभाव। दरअसल, पाकिस्तान में बलुच आंदोलन अब काफी मजबूती से खड़ा हो गया है और ईरानी बलूचिस्तान में उनके ही बलुच भाइयों द्वारा दिखाई गई बहादुरी से उनका हौसला और बढ़ जाएगा। यह बात पहले से ही फिट रहे पाकिस्तान को और अधिक परेशान कर सकता है।

हादसा- टोकर लगी, गिरा तो सिर में घुसा सरिया, गई जान

इंदौर। ग्राम चोरल में घर के अंदर हुए एक छोटे से हादसे ने 45 वर्षीय व्यक्ति की जान ले ली। घर में रखे लोहे के सरिए से पैर टकराने के बाद वह संतुलन खोकर गिर पड़े। इस दौरान सरिया उनके सिर में जा लगा। गंभीर चोट लगने से वे लहलुहान होकर बेहोश हो गए। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सिमरोल पुलिस के अनुसार मृतक दिनेश पिता हिंदूसिंह (45) निवासी ग्राम चोरल हैं। परिजनों ने पुलिस को बताया कि घर में लोहे का सरिया रखा हुआ था। दिनेश का अचानक पैर सरिए से टकरा गया। संतुलन बिगड़ने से वे जोर से नीचे गिरे और इसी दौरान सरिया उनके सिर में जा लगा। सिर में गंभीर चोट लगने से काफी खून बह गया और वे मौके पर ही बेहोश हो गए। परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने गंभीर हालत को देखते हुए उपचार शुरू किया, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ और इलाज के दौरान दिनेश ने दम तोड़ दिया। अस्पताल से सूचना मिलने पर सिमरोल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मर्ग कायम कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में मौत

इंदौर। अखिलेश पाटीदार की मानपुर में बाबे के पास हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। मानपुर पुलिस ने मर्ग कायम कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू की है।

युवक और महिला ने फांसी लगाकर दी जान

इंदौर। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में युवक और महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों ही मामलों में आत्महत्या की वजह सामने नहीं आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। लसुड़िया क्षेत्र में 30 वर्षीय युवक ने आत्महत्या कर ली। श्रीनाथ ग्रीन व्यू निवासी शुभम पिता सेवकुराम (30) आरखी कारखाने में काम करता था। परिजनों के मुताबिक वह रोज की तरह काम पर गया था। शाम को काम खत्म कर घर लौटा। कुछ देर बाद उसने घर में फांसी लगा ली। परिजनों ने उसे फंदे पर लटका देखा तो चीख-पुकार मच गई। उन्होंने तत्काल उसे नीचे उतारा और अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद शुभम को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर लसुड़िया पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस के अनुसार युवक ने यह कदम क्यों उठाया, फिलहाल इसका पता नहीं चल सका है। परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। इसी प्रकार तेजाजी नगर थाना क्षेत्र के मोरोद में संगीता पति भरत (32) ने भी घर में फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों को घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम किया है। शुरूआती जांच में आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है। पुलिस परिजनों के बयान लेने के साथ महिला की परिस्थितियों की जानकारी जुटा रही है। दोनों घटनाओं में पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

ट्रांसपोर्ट नगर में 8 ट्रकों से डीजल चोरी, टायर भी खोल ले गए

इंदौर। भंवरकुआ थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर में चोरी की दूसरी बड़ी वादात सामने आई। रानीबाग मेन निवासी ट्रांसपोर्ट राजपालसिंह भाटिया ने पुलिस को बताया कि झड़वरों की कमी के कारण उन्होंने अपने आठ ट्रक ऑफिस के सामने सड़क पर खड़े किए थे। सुपरवाइजर महेंद्र गिरि गोस्वामी ने वाहनों की जांच की तो डीजल चोरी होने का पता चला। जांच में करीब 570 लीटर डीजल गायब मिला। इसके अलावा दूसरी गाड़ियों से टायर डिस्क सहित खोलकर चोरी कर लिए गए। ट्रांसपोर्टर का कहना है कि इलाके में लगातार चोरी की वारदातें हो रही हैं। थाने से कुछ ही दूरी पर खड़े आठ ट्रकों से डीजल और टायर चोरी होना सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू किया है।

झांकी मार्गों पर घंटों जाम, ट्रैफिक प्लान फेल



पोलो ग्राउंड से मरीमाता और एयरपोर्ट से बड़ा गणपति तक वाहनों की कतार

इंदौर। अनंत चतुर्दशी पर निकलने वाले झांकी चल समारोह के चलते शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था चरमरा गई। पोलो ग्राउंड से मरीमाता और एयरपोर्ट से बड़ा गणपति तक सड़कों पर

घंटों जाम लगा रहा। वाहनों की लंबी कतारों के बीच लोग काफी देर तक फंसे रहे। कई राहगीरों को कुछ किलोमीटर की दूरी तय करने में घंटों लग गए। जाम के कारण लोगों को परेशानी का सामना

करना पड़ा। यातायात पुलिस द्वारा बनाया गया ट्रैफिक प्लान भीड़ और वाहनों के दबाव के आगे बेअसर नजर आया। देर रात तक कई मार्गों पर यातायात धीमी गति से चलता रहा।

भाजपा कार्यालय पर श्री गणेश को अर्पित किए 56 भोग, महिला मोर्चा द्वारा महाआरती का आयोजन

इंदौर। भाजपा कार्यालय पर स्थापित श्री गणेश जी की बिदाई के पूर्व महाआरती की गई।भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष व इंदौर संभाग प्रभारी वंदना मंडारे, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष श्रेष्ठा जोशी की उपस्थिति में महाआरती एवं 56 भोग अर्पित किए गए। महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष श्रेष्ठा ने बताया कि भाजपा कार्यालय पर ममता विराजमान श्री गणेश जी की महिला मोर्चा द्वारा पूजा अर्चना की गई। ब्राह्मण की उपस्थिति में विधि विधान पूर्वक एवं मंत्रोच्चार के साथ पूजन किया

गया।महाआरती के दौरान पूरा परिसर गणपति बप्पा के जयकारों से गुंज उठा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा कर सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना की। भगवान श्री गणेश जी की विभिन्न प्रकार के पकवानों से सुसज्जित 56 भोग अर्पित किए गए। महिला कार्यकर्ता अपने अपने घरों से भोग बनाकर लाई थी, जिसे बप्पा को अर्पित किया। इस अवसर पर ममता बिरथरे, लीना बाहेती, विमला मनाग्रे, मयूरी शर्मा, नारायणी बरेठा, सोनिका केजरीवाल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थीं।

सांवेर के दो वार्डों में करोड़ों के विकास कार्य का श्रीगणेश और लोकार्पण



इंदौर। गणेशोत्सव के मौके पर विधानसभा सांवेर के अंतर्गत नगर निगम के वार्ड 35 और 36 के निपानिया मंडल के पिपलियाकुमार और पंचवटी कॉलोनी में विकास कार्यों को बरसात हुई है। आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक व जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने 19 करोड़ 50 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण किया।क्षेत्र को 11 करोड़ 50 लाख

की लागत से बनने वाली नई पानी की टंकी की टंकी का तोहफा मिला है। टंकी का निर्माण 18 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। काम पूरा होने के बाद पंचवटी, डीबी प्राइड, सिंगारपुर टाउनशिप, ड्रीम सिटी, ग्रीन व्यू, तलावली चांदा, रास टाउन सहित 14 कॉलोनियों के 20 हजार से अधिक परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। इन कॉलोनियों में नई पेयजल लाइन भी बिछाई जाएगी।

इसी प्रकार वार्ड 35 में 6 गलियों में और वार्ड 36 में 4 स्थानों पर सीसी रोड बनाने का काम शुरू हो गया है। इससे बरसात में कीचड़ और धूल से निजात मिलेगी।मंत्री सिलावट के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सांवेर आदर्श विधानसभा बन रहा है। बिजली, पानी, सड़क, नाली, स्वास्थ्य और शिक्षा के हर क्षेत्र में काम हो रहा है। वार्ड 35-36 इसका मॉडल है।

विवाद सुलझाने पहुंची पुलिस को फ्लैट में मिली एमडी, 6 गिरफ्तार

निकाह से 4 दिन पहले नशे का नेटवर्क सप्लायर पकड़ाया



बाद पुलिस ने शहजाद और सद्दाम को पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने राजस्थान से ड्रग लाने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि झालावाड़ जिले के बड़ोद निवासी शेख अनस से वे एमडी ड्रग लेते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के जरिए अनस से संपर्क करारा और ड्रग की

खरीद के लिए उसे इंदौर बुलाया। इंदौर पहुंचते ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक शेख अनस पहले भी इंदौर में कई लोगों को एमडी ड्रग की आपूर्ति कर चुका है। अब उससे पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि इंदौर में उसके संपर्क में कौन-

प्लॉट की रजिस्ट्री कराई, 3 लाख दलाली मांगी तो ब्रोकर को दी धमकी

इंदौर। आलोक नगर निवासी एक प्रॉपर्टी ब्रोकर ने प्लॉट की दलाली के 3 लाख रुपए मांगने पर दूसरे पक्ष के गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने की शिकायत कनाड़िया पुलिस से की है। ब्रोकर का कहना है कि उसने न्याय नगर में 1500 वर्गफीट का प्लॉट ग्राहक को दिलवाया था। रजिस्ट्री होने के बाद जब उसने अपनी दलाली की रकम मांगी तो विवाद हो गया। शिकायतकर्ता संजय परमार ने पुलिस को बताया कि उसने नंदनगर निवासी कमलसिंह जादौन को न्याय नगर स्थित प्लॉट नंबर 384 दिलवाया था। करीब 1500 वर्गफीट के इस प्लॉट का सौदा 23 लाख रुपए में हुआ था। शिकायत के मुताबिक इसमें 20 लाख रुपए प्लॉट मालिक को और 3 लाख रुपए दलाली के तय हुए थे। इसके अलावा लाभ में प्रतिशत के हिसाब से अलग ब्रोकरेज देने की बात

भी हुई थी। संजय के अनुसार 13-14 सितंबर को प्लॉट की रजिस्ट्री पूरी हो गई। इसके बाद 16 सितंबर को उसने कमलसिंह से अपनी दलाली का भुगतान करने को कहा। आरोप है कि इस पर कमलसिंह गाली-गलौज करने लगा और पैसे मांगने की बात पर जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता का कहना है कि घटना के दौरान उसकी पत्नी भी मौजूद थी। संजय ने पुलिस को यह भी बताया कि इस सौदे में सूरज यादव और प्लॉट मालिक की और से मोंटू नामक ब्रोकर भी जुड़े थे। उसने आशंका जताई है कि भविष्य में उसके साथ कोई घटना होती है तो इसके लिए कमलसिंह ज़िम्दार होगा। शिकायतकर्ता ने पुलिस से मामले में कार्रवाई करने और उसकी बकाया दलाली दिलाने में सहयोग की मांग की है। पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है।

इकरार नामा कर 10 लाख लिए पर रजिस्ट्री नहीं करवाई, कालोनी के अध्यक्ष और संचालक पर केस दर्ज

इंदौर। प्लाट का इकरारनामा कर 10 लाख रुपए लेने के बाद भी न तो प्लाट की रजिस्ट्री करवाई और न ही कब्जा दिया। जब प्लाट खरीदने वाले ने पैसे वापस मांगे तो पैसा भी वापस नहीं मिला। इसके बाद नेहरू नगर निवासी गौरव चौधरी पुलिस के पास पहुंचे। शिकायत बाद राजेंद्र नगर पुलिस ने लेकपार्क कॉलोनी के अध्यक्ष यशराज तिवारी और संचालक माया तिवारी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कई दिनों तक प्लाट के दस्तावेज और कब्जा नहीं मिलने से परेशान नेहरू नगर निवासी गौरव चौधरी ने डीसीपी जोन-1 से शिकायत कर दी। शिकायत के मुताबिक गौरव ने लेकपार्क कॉलोनी में प्लॉट नंबर 266 खरीदने का सौदा किया था। करीब 1200 वर्गफीट के प्लॉट की

कीमत 31 लाख रुपए तय हुई थी। 30 जून 2024 को यशराज और माया ने प्लॉट को अपने आधिपत्य का बताते हुए गौरव के साथ इकरारनामा किया। इसके बाद गौरव ने दोनों के खातों में चेक के जरिए 10 लाख रुपए अदा कर दिए। इकरार नामा और 10 लाख रुपए देने के बाद गौरव ने दोनों से रजिस्ट्री और कब्जा देने के लिए कहा। दोनों ने रजिस्ट्री नहीं कराई और प्लॉट का कब्जा भी नहीं दिया। तब गौरव ने कहा कि मेरे इकरार नाम के पैसे वापल लौटा दो, तब उसे पैसा भी वापस नहीं मिला। शिकायत के बाद पुलिस ने दस्तावेजों की जांच की इसके बाद यशराज तिवारी और माया तिवारी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज होने के बाद आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

घर में घुसे चोर ले उड़े लाखों के जेवर-नकदी

इंदौर। शहर में चोरों ने एक बार फिर सूने मकानों और खड़े वाहनों को निशाना बनाया। देवगुवाडिया की श्री विनायक टाउनशिप में निजी कंपनी कर्मचारी के घर का ताला तोड़कर बदमाश करीब डेढ़ लाख रुपए नकद, सोने-चांदी के जेवर और कार की चाबी ले गए। देवगुवाडिया निवासी अरुण चौहान ने खुड़े पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वे पलासिया स्थित ऑफिस गए थे। घर पर कोई नहीं था। शाम को लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा मिला। अंदर दोनों कमरों की अलमारियों के लॉक भी टूटे थे और सामान बिखरा पड़ा था। मंदिर में रखी मूर्तियां भी अस्त-व्यस्त थीं। जांच करने पर अलमारी से करीब 1.50 लाख रुपए नकद, सोने की चेन, मंगलसूत्र, दो अंगूठियां, तीन जोड़ी टॉप्स, चांदी का गुच्छा, दो मछलियां, चरग पादुका और कार की चाबी गायब मिली। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है। इसी तरह विष्णुपुरी मेन निवासी सपना संगत्यानी के घर में भी चोरी हुई। बदमाश यहां से दो सोने के पेंडेंट, कान के टाप्स, अंगूठी, चांदी का ग्लास, चांदी के सि?के और नकदी ले गए। इस मामले में भी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

युवक पर हमला, सिर पर मारी ईंट

इंदौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र के सिंहासा में गणेश आरती के दौरान सामान रखने की बात को लेकर विवाद गहरा गया। आरती कर लौट रहे एक युवक पर दबंग ने हमला कर दिया। आरोपी ने युवक का स्पीकर फेंक दिया और विरोध करने पर पास पड़ी ईंट उठाकर उसके सिर पर मार दी, जिससे वह लहलुहान हो गया। पीड़ित की शिकायत पर चंदन नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, सिंहासा निवासी फरियादी संदीप पिता परशराम बारोदिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बीती रात वे गणेश पंचाल में आरती करने के बाद लौटने लगे। इसी दौरान अरिहंत नगर कॉलोनी निवासी आरोपी मोती पटेल आया और वहां रखा फरियादी का स्पीकर उठाकर फेंकने लगा। जब संदीप ने स्पीकर फेंकने से मना किया और गालीगलौज का विरोध किया, तो आरोपी उग्र हो गया। मोती पटेल ने पास पड़ी ईंट उठाकर संदीप के सिर पर दे मारी, जिससे सिर में गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। आरोपी जाते-जाते धमकी देकर गया कि दोबारा मेरी जगह पर कोई सामान रखा तो जान से खत्म कर दूंगा। चंदन नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

शादी से पहले गिरफ्तारी

शेख अनस के घर में इन दिनों शादी की तैयारियां चल रही थीं। पुलिस के अनुसार उसका 4 दिन बाद चंदन नगर में निकाह होना था। निकाह से कुछ दिन पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस उसके पुराने संपर्कों और इंदौर में की गई ड्रग सप्लाई की जानकारी जुटा रही है। पुलिस के अनुसार मामले में गिरफ्तार रूपाली रावल के खिलाफ खजराना थाने में पहले से आर्मस् एक्ट के मामले दर्ज हैं। वहीं शहजाद चौधरी और मोहम्मद सद्दाम के खिलाफ भी लसुड़िया और खजराना थानों में पहले के अपराध दर्ज बताए गए हैं। पुलिस ने पूरे मामले में 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर 55 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग जब्त की है।

कौन लोग थे और उसने किन लोगों तक ड्रग पहुंचाई। पुलिस को उसके जरिए नशे के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की उम्मीद है।

NSE shares continue to slip a day after listing

Mumbai(Agency): Shares of the National Stock Exchange of India Ltd (NSE) slipped on Friday, trading 0.56 per cent lower, just marginally above their listing price, a day after the exchange made its much anticipated market debut.

The stock fell nearly 1.6 per cent to an intraday low of Rs 1,790 on the BSE and was trading at Rs 1,808, down 0.56 per cent.

The shares of the exchange had listed at a 0.8 per cent premium to its issue price and closed its first session on Thursday with over 1.8 per cent gains. Despite a muted start, the stock gained more than 5 per cent during intra-day trade before sliding.

The NSE IPO was India's second-largest public issue after Hyundai Motor India's Rs 27,870-crore IPO in 2024.

NSE's post listing market capitalisation stands at about Rs 4.49 lakh crore, making it the 10th largest listed company in India and placing it ahead of Sun Pharmaceuticals and Titan.

In terms of market capitalisation, the newly listed exchange is positioned behind Reliance Industries, HDFC Bank, Bharti Airtel, ICICI Bank, SBI, TCS, Bajaj Finance, L&T and HUL. NSE's full suite of services, technology and deep liquidity were cited by market participants as factors underpinning investor interest.

Though short term profit taking follows the debut India's capital market development and long potential for growth creates further support to the shares.

NSE Managing Director and CEO, Ashishkumar Chauhan, said the exchange is working on a comprehensive, mobile-first framework that could bring investors' trading data, portfolio information and analytics under a single platform.

एफवाई 27 में नई घोषणाओं के बजाय काम पूरा करने पर रहेगा जोर

मुंबई, एजेंसी। पिछले एक दशक में देश के कोने-कोने तक सड़कों का जाल बिछाने के बाद, अब भारत का रोड सेक्टर एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। रेटिंग एजेंसी केयरएज रेटिंग्स की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 में सड़क क्षेत्र अब तेजी से विस्तार करने के बजाय, पुराने प्रोजेक्ट्स को तय समय पर पूरा करने और उनकी गुणवत्ता सुधारने पर सबसे ज्यादा ध्यान देगा। इस नए दौर में केंद्र सरकार के मुकाबले राज्य सरकारें सड़कों पर निवेश बढ़ाने में सबसे आगे रहने वाली हैं। कुल सड़क नेटवर्क वित्त वर्ष 2015-16 में देश का कुल रोड नेटवर्क लगभग 52.30 लाख किलोमीटर था, जो वित्त वर्ष 2025-26 तक बढ़कर 63.73 लाख किलोमीटर हो गया। राष्ट्रीय राजमार्ग इस दौरान नेशनल हाईवे नेटवर्क 1.00 लाख किलोमीटर से बढ़कर 1.47 लाख किलोमीटर पर पहुंच गया। फोर-लेन और चौड़ी सड़कें चार या उससे ज्यादा लेन वाले हाईवे 25,854 किलोमीटर से बढ़कर 45,516 किलोमीटर हो गए। बजट और निवेश सड़कों को बनाने के लिए सरकारी और प्राइवेट सेक्टर का कुल सालाना खर्च 0.94 लाख करोड़ रुपये से लगभग तीन गुना बढ़कर 2.62 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। केयरएज रेटिंग्स की सीनियर डायरेक्टर राजश्री मुरकुटे ने बताया कि भारतीय सड़क क्षेत्र अब तेजी से सड़कें बनाने के बजाय काम की क्वालिटी, प्रोजेक्ट्स को चालू करने और संपत्तियों से कमाई पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। नए प्रोजेक्ट्स के ठेके कम मिलने और जमीन अधिग्रहण जैसी पुरानी चुनौतियों के कारण सड़कें बनने की रफ्तार थोड़ी धीमी होगी इस रिपोर्ट की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब राज्य सरकारों सड़क क्षेत्र में निवेश की मुख्य झड़वर बनकर उभर रही हैं। केयरएज का अनुमान है कि एफवाई 27 में राज्यों का सड़क बजट केंद्र सरकार के बजट से आगे निकल जाएगा। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि अब मुख्य ध्यान बड़े नेशनल हाईवे के साथ-साथ राज्यों के अंदरूनी हिस्सों, गांवों और शहरों को आपस में जोड़ने पर दिया जा रहा है। कुल मिलाकर, अब फोकस नई सड़कें घोषित करने के बजाय, जो प्रोजेक्ट्स पहले से पाइपलाइन में हैं, उन्हें फटाफट पूरा कर जनता के लिए चालू करने पर है।



GST Council not likely to go in for rate changes in Oct 7 meeting

New Delhi(Agency): No major GST rate changes are expected at the next GST Council meeting on October 7, with the panel likely to focus instead on "process reforms" and the implementation of the recently undertaken rate rationalisation, according to Finance Ministry sources.

The Council is expected to review how the GST rate changes have been implemented over the past year, with the focus likely to be on ironing out implementation issues and taking stock of the impact of the rate rationalisation rather than going in for a broad-based round of rate cuts.

Finance Minister Nirmala Sitharaman has already indicated that the October 7 meeting would focus on process reforms



under "GST 2.0", including areas such as e-invoicing and input tax credit rules. The previous meeting had focused on rate rationalisation, with process reforms deferred to the October meeting.

She said the previous GST Council meeting had focused on rate rationalisation, while process reforms

had been deferred to the next meeting.

Sitharaman also invited industry to submit specific representations on anomalies, if any, in the GST framework that the government may not have addressed.

Looking ahead, the Finance Minister said the tax policy debate would increas-

ingly have to address issues such as significant economic presence, virtual permanent establishments, the taxation of artificial intelligence and robotics, the gig economy, global mobility, virtual digital assets, global capability centres and the treatment of goods and services in digital transactions.

Sitharaman also said the

government was open to an institutional mechanism to provide greater clarity on whether digital transactions should be treated as goods or services under GST and income tax laws. She invited industry to send proposals and suggestions on the issue.

The distinction between goods and services in digital transactions is among the issues that have become more complex as businesses increasingly operate across borders, she said.

The Finance Minister also urged tax professionals, industry bodies and researchers to move beyond seeking lower tax rates, exemptions and concessions and contribute more actively to evidence-based tax policy by identifying provisions that may no longer serve the tax system.

Govt signs pact with Agnikul Cosmos for Rs 200 crore support to develop reusable launch vehicle

New Delhi(Agency): The government on Friday said it has signed an agreement with Agnikul Cosmos for Rs 200 crore financial support under the Research Development and Innovation (RDI) Fund, as the country moves towards building a new generation of indigenous and reusable space transportation systems.

The Technology Development Board (TDB), Department of Science & Technology (DST), signed the agreement. The project focuses on the development of a reusable launch vehicle - AgniBaan RLV -- with the objective of taking the technology from TRL-4 and above to TRL-8.



The project seeks to move beyond the conventional approach of recovering only the first stage of a launch vehicle and work towards full-system reusability.

The proposed architecture is designed to enable high-frequency and repeatable launches while reduc-

ing launch and manufacturing costs and limiting the generation of space debris.

"The next phase of India's space journey will require technologies that not only reach orbit but can do so with greater frequency, flexibility and efficiency. Reusability is an important technology frontier in this

regard. Through the RDI Fund, TDB is supporting the development of ambitious indigenous technologies that require sustained investment to progress from advanced technology stages towards deployment," said Rajesh Kumar Pathak, Secretary, TDB.

The 'AgniBaan RLV' programme reflects this approach by focusing on the development of a reusable launch architecture and strengthening India's capabilities in advanced space transportation systems, Pathak added.

Agnikul has already demonstrated several elements of the technology through its development and testing programmes.

Natural farming doubles turmeric output in Gujarat trial, finds study

Gandhinagar(Agency): Natural farming produced more than twice the fresh turmeric yield under conventional chemical farming in field trials conducted at Sardarkrushinagar Dantiwada Agricultural University (SDAU), with the findings also showing substantial differences in soil microbial communities and farm returns.

The study, conducted jointly by the Gujarat Biotechnology Research Centre (GBRC) and SDAU, found that two natural farming treatments produced more than 40 tonnes of fresh turmeric rhizomes per hectare, compared with 19.3 tonnes per hectare under the conventional farming sys-



tem. The research was published in 'BMC Plant Biology' and examined nine natural farming treatment combinations against conventional farming. "The study, published in BMC Plant Biology in 2026, compared conventional chemical farming with nine different natural farming

treatment combinations. One of the natural farming treatments produced more than 40 tonnes of fresh turmeric rhizomes per hectare, compared with 19.3 tonnes per hectare under conventional farming," Science and Technology Minister Arjun Modhwadia said.

जीएसीसी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के उपलक्ष में विशेष व्याख्यान का आयोजन

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इंदौर द्वारा दिनांक 24 सितंबर 2026 को राष्ट्रीय सेवा योजना के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या आदरणीय डॉ ममता चंद्रशेखर द्वारा की गई। मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. संजय प्रसाद (राष्ट्रीय सेवा योजना का राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त पूर्व राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी) उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ.रेणू सिन्हा कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता डॉ संजय प्रसाद द्वारा



व्याख्यान में राष्ट्रीय सेवा योजना की मूल भावना 'मैं नहीं, आप' को केंद्र में रखते हुए विद्यार्थियों को समाज के प्रति अपने दायित्वों

के निर्वहन के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि एनएसएस विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित न रखकर उन्हें समाज की वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ता है। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, ग्राम विकास तथा सामाजिक जागरूकता जैसे क्षेत्रों में स्वयंसेवकों की भूमिका पर भी चर्चा की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्ष आदरणीय डॉ ममता चंद्रशेखर द्वारा उद्बोधन में विद्यार्थियों को सेवा, अनुशासन, सहयोग और सामाजिक संवेदनशीलता जैसे मूल्यों को

अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना की डायरी में उल्लेखित शपथ को रेखांकित करते हुए एक आदर्श नागरिक बनने हेतु राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने ने कहा कि युवा शक्ति समाज एवं राष्ट्र के विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला है और एनएसएस के माध्यम से विद्यार्थी अपने व्यक्तित्व के साथ-साथ समाज के विकास में भी सार्थक योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथि का परिचय डॉ ज्ञानेश्वर तिखे द्वारा दिया गया। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम अधिकारी प्रो.अरुण कुमार आर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। समापन गीत के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

रेल कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर, 10 साल में पेंशन और 20 में वीआरएस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे में काम करने वाले लाखों सरकारी कर्मचारियों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण और राहत भरी खबर है। रेल मंत्रालय ने यूनिफाइड पेंशन स्कीम को लेकर अपना नया और आधिकारिक फ्रेमवर्क जारी कर दिया है। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी 'रेलवे सेवा (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत एकीकृत पेंशन योजना का कार्यान्वयन) नियम, 2026' को भारत के राजपत्र में आधिकारिक तौर पर प्रकाशित कर दिया गया है। यह नए नियम उन सभी नियमित कर्मचारियों पर लागू होंगे, जो 1 जनवरी 2004 या उसके बाद रेलवे में शामिल हुए हैं और वर्तमान में नेशनल पेंशन सिस्टम का हिस्सा हैं। इस नई अधिसूचना में पेंशन, स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति, और स्कीम को बदलने से जुड़े कई बड़े नियमों को पूरी तरह साफ कर दिया गया है।

रेलवे के नए फ्रेमवर्क के अनुसार, यदि कोई कर्मचारी कम से कम 10 साल की नियमित सेवा पूरी कर लेता है, तो वह न्यूनतम 210,000 प्रति माह की सुनिश्चित पेंशन

पाने का हकदार हो जाएगा। वहीं, जो कर्मचारी 25 साल की पूरी सेवा का कार्याल पूरा करेंगे, उन्हें पूरी पेंशन का लाभ मिलेगा। यह



पेंशन उनके रिटायरमेंट से ठीक पहले के आखिरी 12 महीनों के औसत बेसिक वेतन का 50 फीसदी होगी। इसके अलावा, कर्मचारियों को 20 साल की नौकरी के बाद स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति लेने की भी आजादी दी गई है।

हालांकि, वीआरएस लेने की स्थिति में पेंशन का भुगतान तुरंत शुरू नहीं होगा, बल्कि कर्मचारी की सामान्य रिटायरमेंट की तारीख से ही शुरू किया जाएगा।

कर्मचारी का हिस्सा: हर महीने कर्मचारी को अपनी बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ते का 10% हिस्सा अपने पर्सनल यूपीएस कॉर्पस में जमा करना होगा।

सरकार का हिस्सा: रेलवे भी अपनी तरफ से कर्मचारी की बेसिक सैलरी और डीए का 10% मैचिंग योगदान इस फंड में जमा करेगी। इसके अलावा, सुनिश्चित पेंशन पूल को मजबूत बनाए रखने के लिए सरकार अतिरिक्त योगदान भी देगी। लेकिन इस यू-टर्न के लिए एक सख्त समय सीमा तय की गई है। कर्मचारी रिटायरमेंट की उम्र से कम से कम

12 महीने पहले या अपनी मर्जी से रिटायर होने की तय तारीख से 3 महीने पहले ही यह फैसला ले सकता है। इसके बाद विकल्प बदलने की अनुमति नहीं होगी।

दुर्भाग्यवश यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है, तो उसके परिवार को वित्तीय संकट से बचाने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मंजूर नियमों के मुताबिक, कर्मचारी के पात्र जीवनसाथी को 60% फैमिली पेंशन हर महीने दी जाएगी। इसके साथ ही, इस पेंशन पर महंगाई राहत भी मिलेगी।

पैसे के निपटारे के नियम के तहत, सरकार द्वारा किया गया योगदान और उस पर मिला रिटर्न सरकारी खाते में चला जाएगा। लेकिन, कर्मचारी के खुद के 10% योगदान से बची हुई पूरी रकम उसके कानूनी जीवनसाथी को एकमुश्त सौंप दी जाएगी। नोटिफिकेशन में साफ कहा गया है कि कर्मचारी ने जीते जी जो अंतिम विकल्प चुन लिया था, परिवार को उसे बदलने का कोई अधिकार नहीं होगा।



इस तरह सजाएं अपना बैडरूम

सारे दिन की थकावट के बाद घर में बैडरूम ही सबसे आरामदायक जगह होती है जहां पर हम लोग आराम कर सकते हैं। पति-पत्नी अपनी जिंदगी के हसीन पल भी बैडरूम में ही बिताते हैं। कमरे में अगर गंदगी और सामान बिखरा हुआ हो तो इसका असर मानसिकता पर भी पड़ता है। जिससे तनाव,परेशानी और चिढ़चिढ़ापन भी आना शुरू हो जाता है। पति-पत्नी के रिश्ते में प्यार बनाएं रखना चाहते हैं तो अपने बैडरूम के माहौल को भी खुशनुमा बनाएं रखना जरूरी है।

लाइट – आजकल बाजार में बहुत तरह की डिजाइनर लाइटिंग आसानी से मिल जाती है। जिससे कमरे का माहौल खुशनुमा बन जाता है। रिश्ते में प्यार बनाएं रखने के लिए कमरे में आप लाइट पिंक,आसमानी रंग की लाइट, कॉर्नर लाइट, लैंपशेड आदि का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बॉडी की खुशबू बताए स्वभाव

अक्सर लोग अपने शरीर पर तरह–तरह के इत्र या बॉडी स्प्रे का प्रयोग करते हैं। लेकिन क्या कभी आपने जानने की कोशिश की है, जो व्यक्ति जिस सुगंध का प्रयोग करता है तो उसका स्वभाव कैसा होता है? नहीं ना। तो आइए, हम आपको बताते हैं कि आप व्यक्ति के शरीर की गंध से कैसे जान सकते हैं कि व्यक्ति किस प्रवृत्ति का है।

- » यदि कोई व्यक्ति ऐसी सुगंध दे, जिससे आपको किसी फूल की महक आए, तो आप जान जाइए कि वो व्यक्ति सपाट बोलने वाला है, उसके दिल में मैल नहीं है। वो जो सामने है, वो ही अंदर से भी है।
- » यदि कोई व्यक्ति तेज सुगंध का स्प्रे प्रयोग करता है, तो वो अपने जीवन में रफतार पसंद होता है। उसे हारना अच्छा नहीं लगता है, लेकिन वो गुस्से वाला व्यक्ति है।
- » यदि किसी के पास से एल्कोहल युक्त महक आए तो आप सोच लीजिए, वो व्यक्ति बेहद रोमांटिक और सेक्स को पसंद करने वाला है, लेकिन वो चरित्रहीन नहीं है।
- » यदि किसी व्यक्ति के पास से दवाई जैसी महक आए तो समझ जाइए, वो व्यक्ति बहुत ज्यादा केयरिंग और प्यार करने वाला है। उसके लिए अपनी से बढ़कर कुछ नहीं है।
- » अगर किसी व्यक्ति के पास बहुत तीक्ष्ण गंध आए और उसके पास आते ही आपको सिर और नाक में दर्द या खुजली होने लगे, तो आप समझ जाइए इस व्यक्ति से दूर रहना है, क्योंकि इस तरह के व्यक्ति धूर्त और चालाक होते हैं।

पथरी पिघलाने में मददगार है नारियल पानी



किडनी में पथरी की समस्या लंबे समय तक परेशान कर सकती है। इतना ही नहीं ये समय के साथ गंभीर हो सकती है। दरअसल, किडनी का काम शरीर में खून को फिल्टर करना है और मूत्र के माध्यम से इन टॉक्सिन को बाहर निकालना है। पर कभी–कभी पेशाब में सॉल्ट और अन्य खनिज बहुत ज्यादा हो जाते हैं और ठीक से फिल्टर नहीं हो पाते हैं। यही जब इकठ्ठा होने लगते हैं तो, पथरी बनने लगते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप समय–समय पर इन टॉक्सिन को बाहर निकालें चाकि ये जमा होकर पथरी का रूप न लें और इसी काम में मददगार है नारियल पानी।

डायूरेटिक है नारियल पानी

नारियल पानी की खास बात ये है कि ये डायुरेटिक गुणों से भरपूर है। यानी कि ये किडनी के अंदर फिल्ट्रेशन के प्रोसेस को तेज करता है और फिर मूत्र के माध्यम से गंदगी को डिटॉक्स करता है। इसके अलावा ये पेशाब को खुलकर होने में मदद करता है और इसकी मात्रा बढ़ाता है जिससे किडनी पलश ऑउट हो पाती है और सारे टॉक्सिन शरीर से बाहर निकल पाते हैं।

लैक्सेटिव गुणों से भरपूर

लैक्सेटिव गुणों का मतलब है कि जो किडनी में जमा क्लोरीन और साइट्रेट सॉल्ट से विपक कर इसे शरीर से बाहर निकालने में मदद करे। यही काम नारियल पानी का खास गुण है और इसका सेवन क्रिएटिनिन लेवल को कम करता है और शरीर को अंदर से डिटॉक्सीफाई करने में मदद करता है।

पथरी पिघलाने में मददगार

किडनी में जमा पथरी को पिघलाने में नारियल पानी इसका अल्कलाइन गुण पथरी को तोड़ने लगता है और फिर इसे पिघलाकर बाहर निकालने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी की प्रचुर मात्रा होती है क्रिएटिनिन स्तर को कम करके गुर्दे की पथरी को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, नारियल पानी, जिसमें कि पोटेशियम ज्यादा है, किडनी में ब्लड सर्कुलेशन को सही करता है, उसकी कार्यप्रणाली में सुधार करता है और पथरी बनने से रोकता है। साथ ही ये किडनी को स्वस्थ रखने में भी मददगार है।

घरेलू उपायों से निखारे अपनी रंगत



दमकता गोरापन पाने के लिए महिलाएं बहुत से उपाय करती हैं। बाजार में भी गौरा बनाने के लिए ढेरों प्रोडैक्ट उपलब्ध हैं। जिन्हें खरीदने के लिए महिलाएं पानी की तरह पैसा बहाती हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि कुछ घरेलू तरीके अपनाकर भी आप पा सकती हैं निखरी त्वचा–

नींबू

नींबू के रस को गुलाब जल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। इससे चेहरे में निखार आएगा। अगर आपके हाथ काले हैं तो सोते वक हाथों पर नींबू रगड़े। एक हफ्ते में ही आपको फर्क महसूस होने लगेगा।

शहद
शहद में कच्चा दूध मिलाकर लगाने से चेहरा खुबसूरत और कोमल हो जाता है। इससे फटी हुई स्किन भी सही हो जाती है।

संतरा



मुल्तानी मिट्टी

ब्यूटी और हैल्थ दोनों के लिए मुल्तानी मिट्टी प्रभावी होती है। इसे चेहरे पर लगाने से रंगत निखरती है और बालों में प्रयोग करने से वे घने व मुलायम होते हैं। यह त्वचा संबंधी रोगों को दूर कर ब्लड सर्कुलेशन ठीक करती है।

तैलीय त्वचा के लिए

ऑयली स्किन वालों के लिए यह फायदेमंद होती है क्योंकि यह चेहरे का तेल सोखकर मुंहसे दूर करती है। ऑयली स्किन वाले लोगों को इस मिट्टी में दही व पुदीने की पत्तियों का पाउडर मिलाकर लगाना चाहिए। गुलाब जल व मुल्तानी मिट्टी मिलाकर भी चेहरे पर लगाई जा सकती है। मुंहसे होने पर मिट्टी में सूखी नीम की पत्तियां मिलाकर लगाएं। रूखी त्वचा होने पर इसमें चंदन पाउडर मिलाकर लगाएं। आंखों के नीचे काले घेरे कम करने के लिए खीरे का रस व उबला आलू मुल्तानी मिट्टी में मिलाकर आंखों के नीचे 10–15 मिनट तक लगाएं।

अगर घूमने के हैं शौकीन तो चुनें सस्ता और खूबसूरत देश मिस्र

मिस्र की जनसंख्या का अधिकांश हिस्सा नील नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में रहता है। मिस्र को इसके प्राचीन इतिहास, सभ्यता, रेगिस्तानी परिदृश्य और विशाल पिरामिड के नाम से जाना जाता है। इसका आधिकारिक नाम मिस्र अरब गणराज्य है। राजधानी कैरो और भाषा अरबी है।

जैसा कि आप सबको पता है कि पर्यटन की स्थिति संपूर्ण विश्व में कोविद-19 के चलते बुरी तरह से प्रभावित हुई है, लेकिन कई ऐसे देश हैं जिन्होंने अभी हाल में ही ये घोषणा की है कि वे आने वाले दिनों में–संभवतः जून महीने के अंत या फिर जुलाई की शुरुआत में अपने अंतर्राष्ट्रीय बार्डर खोल सकते हैं और कुछ सीमित देशों के पर्यटक को अपने देश में घूमने की इजाजत दे सकते हैं। लेकिन भारत सरकार ने फिलहाल अपनी सभी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें 30 जून तक रद्द की हैं। हालांकि घरेलू उड़ानें जो कि 22 मार्च से प्रतिबंधित थीं, पुनः 25 मई से शुरू की जा चुकी है। नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पूरी ने अभी हाल में ये बयान दिया है कि सरकार अंतर्राष्ट्रीय उडान को अगस्त से पहले पुनः आरम्भ करने के बारे में सोच रही है। दुनिया के कई ऐसे देश हैं जो अपनी अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को या तो खोल चुके हैं या बहुत जल्द खोलने की आधिकारिक घोषणा कर चुके हैं। मगर कुछ नयी गाइडलाइन्स के तहत। आइए, हम इन देशों में शुमार एक ऐसे देश का जिक्र करते हैं जिसने आधिकारिक रूप से यह घोषणा की है कि वो अपनी सीमाएं पर्यटकों के लिए जुलाई 1 से पुनः खोल देंगे और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को देश में लैंड करने की इजाजत दे देंगे। और वो देश है मिस्र यानी श्वद4श्वझ। वहां की कैबिनेट ने कहा है कि कोविद- 19 की वजह से जो प्रतिबन्ध लगाए गए थे, उनमें कुछ ढील दी जाएगी– मसलन रात्रि कर्फ्यू में कुछ छूट, दुकानों के खुलने के समय में कुछ इजाफा इत्यादि। मिस्र के सूचना राज्य मंत्री ओसामा हैकल ने एक टेलीविजन

ब्रीफिंग में बताया कि रिसोर्ट बीचेस को भी खोल दिया जायेगा किंतु पब्लिक बीचेज अभी विचाराधीन हैं। **भौगोलिक स्थिति** – मिस्र उत्तरी अफ्रीका में स्थित एक ऐसा देश है जो मुख्यतः दो हिस्सों में विभाजित है– उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण-पश्चिम एशिया। इसके पूर्व में लाल सागर, पश्चिम में लीबिया, उत्तर में भूमध्य सागर, पूर्वोत्तर में गाज़ा पट्टी और इस्राइल तथा दक्षिण में सूडान स्थित है। मिस्र की जनसंख्या का अधिकांश हिस्सा नील नदी के किनारे वाले क्षेत्रों में रहता है। मिस्र को इसके प्राचीन इतिहास, सभ्यता, रेगिस्तानी परिदृश्य और विशाल पिरामिड के नाम से जाना जाता है। इसका आधिकारिक नाम मिस्र अरब गणराज्य है। राजधानी कैरो और भाषा अरबी है। यहां की करेंसी Egyptian Pound है। यहां की जलवायु गर्म रेगिस्तान, शुष्क गर्मी और मध्यम ठंड है। मिस्र का मूल धर्म इस्लाम है जो समाज के हर पहलू को नियंत्रित करता है और कानून से समर्थित है। वैसे तो मिस्र में जाने का सही समय अक्टूबर से अप्रैल है जब तापमान अधिक नहीं होता, किन्तु पर्यटकों के लिए सबसे लोकप्रिय और उपयुक्त समय दिसंबर और जनवरी होता है।



समय देना होगा

मई 2009 के एक न्यूकैसल, विश्वविद्यालय के काउंसिलिंग सेवा द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार, यह जरूरी है कि अपने पूर्व साथी के साथ नियमित संपर्क बनाए रखने से आप बचे या उससे किनारा कर लें। यह सिर्फ दीर्घकालीन पीड़ा दे सकता है और इस पीड़ा से उभरने में समय लगता है। यदि आप फिर से संपर्क बनाने का फैसला लेते हैं, पहले दर्दनाक भावनाओं से उभरने के लिए अपने आप को समय दें। बेशक, इसके कहने का अर्थ यह नहीं है कि आपको अपने पूर्व साथी के साथ बिल्कुल भी संपर्क में नहीं रखना चाहिए। ब्रेकअप के बाद घाव से उभरे और आप हैल्दी रिलेशनशिप की तरफ जा सकते हैं और इसके बाद आप अपने पूर्व से किसी भी तरह नफरत नहीं करेंगे, अपने पूर्व के साथ दोस्त बन कर रहने के लिए सक्षम होना, यह एक अद्भुत बात हो सकती है।

यहां से हुई शुरुआत

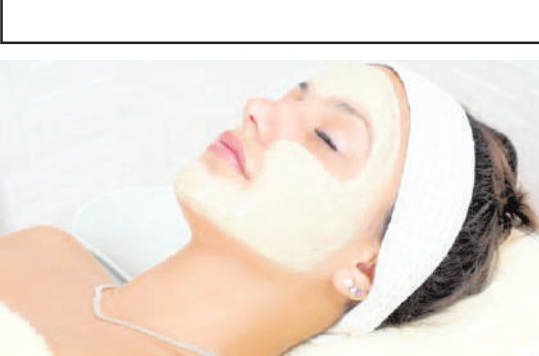
लिव इन रिलेशनशिप यानी सहजीवन। आपको याद होगा कि अपने देश में इस विषय पर विवाद की शुरुआत दक्षिण भारतीय सिने जगत की सुपर स्टार खुशबू के उस बयान से शुरू हुई थी, जिसमें उन्होंने विवाह पूर्व सेक्स संबंधों को जायज ठहराया था और इसके फलस्वरूप तमिलनाडु में काफी हो–हल्ला हुआ था। अब कोर्ट ने उनके पक्ष में निर्णय देकर एकबार फिर उस विवाद को हवा दे दी है। पक्ष–विपक्ष में हर तरह के विचार आ रहे हैं। कुछ लोग विवाह नाम की संस्था को सामाजिक ढ़कोसला मानकर इसकी आवश्यकता पर प्रश्न चिह्न नहीं लगाया जा सकता।

पहले नहीं था

प्रागैतिहासिक काल में विवाह नाम की संस्था नहीं थी, स्त्री–पुरुष आपस में सेक्स संबंध बनाने के लिए स्वतंत्र थे। समाज को सुचारु रूप से चलाने के लिए कुछ नियम बनाए गए और विवाह नाम की संस्था ने जन्म लिया। समय के साथ समाज की रीति नीति में काफी परिवर्तन आए हैं। इंसान की पैसे की हवस और अहम की भावना ने इस संस्था को काफी नुकसान पहुंचाया है, लेकिन मात्र इसके कारण इसकी आवश्यकता पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता।

परस्पर संबंध जरूरी

आज जरूरत है कि विवाह संस्था में आई कुरीतियों को दूर करने की, ताकि पारिवारिक संबंधों में पारस्परिक गरमाहट बढ़े। हमारा चिंतन परिवार नाम की संस्था को दृढ़ता बढ़ाने के लिए होना चाहिए।



सनबर्न होने पर मुल्तानी मिट्टी को गुलाब जल या टमाटर के रस में मिलाकर लगाएं। मुल्तानी मिट्टी का लेप पेशों के तलवों में लगाने से टंडक मिलती है। इसे नीम की पत्तियों वाले पानी में भिगोकर लेप करने से घमौरियां दूर होती हैं। फोड़े–फुंसियां होने पर इस मिट्टी में कपूर मिलाकर लगाएं। गर्मी में नकसीर की समस्या होने पर एक चौथाई गिलास पानी में रात को 5 चम्मच मुल्तानी मिट्टी भिगो दें। सुबह इसे छानकर नाक पर लेप करने से खून आना बंद हो जाएगा। झाड़ और सेंसिटिव स्किन वालों को मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग सप्ताह में एक बार ही करना चाहिए।

मिस्र के पिरामिड – सम्पूर्ण इतिहास जगत में मिस्र का अत्यधिक प्रतिष्ठित और लोकप्रिय प्रतीक निःसंदेह वहां का पिरामिड है। जैसे ही मिस्र देश का नाम जुबान पर आता है, मानसपटल पर वहां के पिरामिड अनायास ही परिलक्षित हो जाते हैं। वास्तव में मिस्र के पिरामिड वहां के तत्कालीन फैरो यानी सम्राटों के स्मारक स्थल हैं जिसके अंदर वहां के राजाओं और रानियों और बहुत से बहुचर्चित हस्तियों के शवों को दफनाकर सुरक्षित रखा गया है। पिरामिड का आकर त्रिभुजाकार होता है और यदि इसके किनारों की लम्बाई, ऊंचाई और कोणों को नापा जाय तो बहुत सारी चीज़ों की गणना की जा सकती है खासकर जो पृथ्वी से संबंधित हो। इसीलिए पिरामिड को गणित की कुंडली भी कहा जाता है। पिरामिड के चारों कोनों के पत्थरों में बॉल और सॉकेट बनाये गए हैं ताकि उसका औसत तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा ना रहे और भूकंप से भी सुरक्षित रहे। वैसे तो मिस्र में कुल 138 पिरामिड हैं मगर इन सब में ‘गीज़ा का ग्रेट पिरामिड’ ही सबसे प्रख्यात है और दुनिया के सात प्राचीनतम आश्चर्य में से एक है। इसकी ऊंचाई लगभग 450 फीट है। बड़े बड़े चूना पत्थरों के ब्लॉक से इसे निर्मित किया गया है। इसके अलावा कुछ प्रमुख पिरामिड के नाम हैं–

1. खूपू का पिरामिड 2. खाफ़रे का पिरामिड 3. बेंट पिरामिड 4. रेड पिरामिड 5. डेजोसेर का स्टैप मिस्र के पिरामिड – सम्पूर्ण इतिहास जगत में मिस्र का अत्यधिक प्रतिष्ठित और लोकप्रिय प्रतीक निःसंदेह वहां का पिरामिड है। जैसे ही मिस्र देश का नाम जुबान पर आता है, मानसपटल पर वहां के पिरामिड अनायास ही परिलक्षित हो जाते हैं। वास्तव में मिस्र के पिरामिड वहां के तत्कालीन फैरो यानी सम्राटों के स्मारक स्थल हैं जिसके अंदर वहां के राजाओं और रानियों और बहुत से बहुचर्चित हस्तियों के शवों को दफनाकर सुरक्षित रखा गया है। पिरामिड का आकर त्रिभुजाकार होता है और यदि इसके किनारों की लम्बाई, ऊंचाई और कोणों को नापा जाय तो बहुत सारी चीज़ों की गणना की जा सकती है खासकर जो पृथ्वी से संबंधित हो। इसीलिए पिरामिड को गणित की कुंडली भी कहा जाता है। पिरामिड के चारों कोनों के पत्थरों में बॉल और सॉकेट बनाये गए हैं ताकि उसका औसत तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा ना रहे और भूकंप से भी सुरक्षित रहे। वैसे तो मिस्र में कुल 138 पिरामिड हैं मगर इन सब में ‘गीज़ा का ग्रेट पिरामिड’ ही सबसे प्रख्यात है और दुनिया के सात प्राचीनतम आश्चर्य में से एक है। इसकी ऊंचाई लगभग 450 फीट है। बड़े बड़े चूना पत्थरों के ब्लॉक से इसे निर्मित किया गया है। इसके अलावा कुछ प्रमुख पिरामिड के नाम हैं–

1. खूपू का पिरामिड 2. खाफ़रे का पिरामिड 3. बेंट पिरामिड 4. रेड पिरामिड 5. डेजोसेर का स्टैप

पिरामिड6 6. मेंकौरे का पिरामिड 7. मेडुम का पिरामिड 8. उनस का पिरामिड 9. तेती का पिरामिड 10. हवारा का पिरामिड 11. उसेरकाफ का पिरामिड 12. लहु का पिरामिड मिस्र एक ऐसा गंतव्य है जो न कि सिर्फ पिरामिड के लिए मशहूर है बल्कि वहां पर बहुत सारे मकबरे, मंदिर और प्राचीन फैरो के घर हैं। इसके अलावा दूर दूर तक फैले विशाल मरुस्थल, मशहूर नील नदी की सैर, स्कूबा डाइविंग, समुद्र तट का लुत्फ लेने के लिए सिनाई प्रायद्वीप का दक्षिणी सिनाई क्षेत्र और बहुत सारे विश्व विख्यात खूबसूरत रेस्टोरेंट और बजट होटल और रिसोर्ट भी हैं। आपकी जानकारी के लिए मिस्र के कुछ प्रमुख आकर्षण इस प्रकार हैं–

1. गीज़ा के पिरामिड 2. इस्लामिक काहिरा 3. अबू सिंबल 4. सिआवा ओएसिस 5. लक्सर का कर्णक मंदिर और राजाओं की घाटी 6. असवान 7. मिस्र का संग्रहालय 8. सफ़ेद रेगिस्तान 9. सेंट केथरीन मठ 10. अलेक्जेंड्रिआ 11. ऐबदोस मंदिर 12. थिस्ट्लेगोरन दायिव साइट 13. दक्षिण सिनाई 14. नील कृशिंग 15.सक्कारा अगर तुलनात्मक दृष्टि से देखें तो मिस्र दुनिया के और देशों की अपेक्षा एक सस्ता और खूबसूरत देश है जहाँ हर कोई अपने बजट के हिसाब से ट्रैव प्लान कर सकता है। तो अगर आप निकट भविष्य में ऐसा कुछ बाहर जाने का मन बना रहें हैं तो मिस्र जैसा कोई और विकल्प शायद नहीं होगा।



संक्षिप्तसमाचार

एशियन गेम्स

नेपाल ने अफगानिस्तान को 16 रन के साथ जीतकर 5 विकेट से हराया

द्विनिशिन । एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार को कोरोंगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की शुरुआत खराब रही और टॉप-3 बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पारी की शुरुआत करने आए मोहम्मद अकरम 2 रन और हसन ईसाखिल बिना खाता खोले आउट हो गए। करीम जन्त 9 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए फैसल शिलोजादा और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नजबुल्ला जादरान ने टीम को सभाया। दोनों ने 30-30 रन की पारी खेली और टीम को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 102 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नागेयालिया खरोटी ने भी नाबाद 17 रन बनाए। नेपाल की तरफ से ललित राजवंशी ने 3 और कुशाल भुटेल ने 4 विकेट लिए। 103 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 12 के स्कोर पर 2 और 31 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन संदीप जोरा के 35 गेंदों पर बनाए 34 रन और पूर्व कप्तान रोहित पौडेल के 32 गेंदों पर बनाए नाबाद 33 रनों की बदौलत टीम ने 17.2 ओवर में 5 विकेट पर 103 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीत लिया। कप्तान दीपेन्द्र सिंह ऐरी ने भी 15 रन बनाए। नेपाल का अगला मैच शनिवार को जापान से होना है। इस मैच में जीत की स्थिति में नेपाल ग्रुप में शीर्ष पर रहते हुए क्वाटर फाइनल में जाएगा।

50 मीटर राइफल 3पी टीम सिल्वर के बाद ऐश्वर्य, नीरज व्यक्तिगत मेडल से चूके

नागोया । भारतीय राइफल शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार शुक्रवार को यहां ऐसी प्रीफ. जनरल शूटिंग गैरसैनिकों में पुरुषों के 50 मीटर 3-पोजीशन इवेंट के फाइनल में मेडल से चूक गए। वे क्रमशः पांचवें और आठवें स्थान पर रहे। ऐश्वर्य 327.6 के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि नीरज 299.0 के साथ आठवें स्थान पर रहे। चीन के युकुन लियू ने 360.5 के गेम्स-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि झांग चांगहोंग ने 360.2 के साथ सिल्वर जीता। इस्लाम सतपायेने ने 348.3 के साथ ब्रॉन्ज जीता।



के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। ऐश्वर्य शुरुआती स्टैंज में रेंस में बने रहे, प्रोन सीरीज के बाद छठे स्थान पर रहे, फिर दूसरी नीलिंग सीरीज के बाद 205.3 के साथ पांचवें स्थान पर पहुंचे और आखिर में ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे। नीरज का फाइनल ज्यादा मुश्किल साबित हुआ और वह 299 के स्कोर के साथ आठवां स्थान पर रहे। इसके बाद नीरज ने 3-पोजीशन टीम ईवेंट्स में गोल्ड और 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता था।



एशियन गेम्स: 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में

सुरुचि, कमलजीत ने गोल्ड जीता



नागोया । भारत को एशियन गेम्स में दूसरा गोल्ड मिल गया है। सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत ने एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। दोनों ने मिलकर फाइनल में 484.6 का एशियन रिकॉर्ड स्कोर बनाया। भारतीय जोड़ी ने दबाव वाले फाइनल में हिम्मत नहीं हारी और सटीकता के साथ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्टैंडिंग में टॉप पर रही। दक्षिण कोरिया के सुहयोन होंग और गेउन चू ने 478.0 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि ईरान के वाहिद गोलखंडन और हानियेह रोस्तमियान ने 415.8 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। इंडोनेशिया के डामोयो ए. और प्रबोवो एम. 349.4 के साथ चौथे स्थान पर रहे। सुरुचि और कमलजीत ज्यादातर कॉम्पिटेशन में नियंत्रण में थे, और दबाव बढ़ने पर भी उन्होंने अपना कपोजर बनाए रखा। जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब भारतीय जोड़ी शांत रही और अपनी बड़त बनाने और उसे बचाने के लिए कई सटीक शॉट लगाए। मिक्स्ड-टीम फॉर्मेट में उनकी पार्टनरशिप बहुत जरूरी साबित हुई। उनका शानदार स्कोर आखिरकार रिपब्लिक ऑफ कोरिया को पीछे

राजू, थेन्नारासु, रामराज और मनु की चौकड़ी ने देश को दिलाया रजत, पीएम मोदी ने दी बधाई

नागोया । माचेड़ीरा पूवम्मा राजू, विशाल थेन्नारासु, विश्वा रामराज और थेक्किलालि मनु की भारतीय चौकड़ी ने नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में हुए कड़े मुकाबले वाले फाइनल में 4×400 मीटर में 3:14.46 का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया और देश की झोली में सिल्वर मेडल डाला। भारतीय रिले टीम की इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। पीएमओ ने एक्स पर पीएम मोदी के हवाले से लिखा, ‘हमारी मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले टीम का शानदार प्रदर्शन। मनु टीएस, पूवम्मा एमआर, विशाल टीके और विश्वा रामराज को एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई। उनकी गति, तालमेल और पक्के इरादे ने रेंस को रोमांचक बना दिया और भारतीय एथलेटिक्स के लिए गर्व का पल बना। उम्मीद है कि वे और भी ऊंचाइयों को छूते रहेंगे।’ प्रतियोगिता में बहरीन ने 3:12.87 के गेम्स रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण जीता, जबकि वियतनाम 3:14.54 में रेंस पूरी करके तीसरे नंबर पर रहा और ब्रॉन्ज मेडल जीता। जापान 3:15.52 के साथ चौथे स्थान पर रहा।



केबीसी में अमिताभ बच्चन ने सुनाया 53 साल पुराना किस्सा

‘चलो शादी कर लेते हैं’



भारतीसिंहने सुनाया बचपन का किस्सा

पड़ोसियों ने घर से निकाला, इसलिए टीवी तक पहुंच पाई

कॉमेडियन भारती सिंह टीवी और एंटरटेनमेंट की दुनिया का जाना-पहचाना नाम हैं। अपनी कॉमेडी और हंसी-मजाक से उन्होंने घर-घर में पहचान बनाई है, लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने का उनका सफर इतना आसान नहीं था।

हाल ही में उन्होंने 90 के दशक के अपने दिनों को याद करते हुए बताया कि उनके घर में टीवी तक नहीं था। ऐसे में वह मोहल्ले के एक परिवार के घर टीवी देखने जाया करती थीं, लेकिन वहां भी उन्हें हर बार टीवी देखने की इजाजत नहीं होती थी। ‘द इंडियन गेम शो’ ‘विद भारती एंड हर्ष’ के लेटेस्ट एपिसोड में भारती ने बचपन का एक किस्सा सुनाया। शो में ‘90 के

दशक की यादें’ सेलिब्रिटी की जा रही थीं। इस दौरान भारती ने कहा, ‘‘मेरे बचपन में घर में टीवी नहीं था। पूरे मोहल्ले में भी हर किसी के घर टीवी नहीं हुआ करता था। कुछ गिने-चुने परिवार ही ऐसे थे, जिनके घर टीवी मौजूद था।’’ उन्होंने कहा, ‘‘लेकिन अक्सर जब मैं उनके घर टीवी देखने जाती थी, तो वो टीवी के आगे पर्दा कर दिया करते थे और बोलते थे, ‘जाओ-जाओ अपने घर, पढ़ना नहीं है?’ भारती ने अपने इन पुराने पड़ोसियों को एक अलग अंदाज में धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा, ‘‘मैं उनको थैंक यू करना चाहती हूँ कि

आपने मुझे अपने घर से निकाला। आप लोगों की वजह से मैंने इतनी मेहनत की कि अब मैं खुद टीवी पर आ रही हूँ।’’ ‘द इंडियन गेम शो’ ‘विद भारती एंड हर्ष’ एक एंटरटेनमेंट गेम शो है, जिसमें सेलिब्रिटीज अलग-अलग तरह के मजेदार चैलेंज लेते हैं। शो में फिजिकल, कॉमेडी और स्किल बेस्ड गेम्स के जरिए कंटेस्टेंट्स को मुकाबला करना होता है। इन चैलेंज के साथ प्राइज जीतने का मौका मिलता है, जबकि कुछ गेम हारने पर कंटेस्टेंट्स को मजेदार पनिशमेंट भी दिए जाते हैं।

नवरात्रि के लिए फाल्गुनी पाठक लेकर आई नया गरबा

नवरात्रि का त्योहार आते ही गरबा और डाँडिया से माहौल सजने लगता है। ऐसे में गरबा की दुनिया में अपनी खास पहचान रखने वाली गायिका फाल्गुनी पाठक एक बार फिर नई पेशकश के साथ तैयार हैं। उन्होंने इस नवरात्रि के लिए एक घंटे का लगातार चलने वाला नया गरबा तैयार किया है, जिसका नाम ‘गरबा नाइट्स विद फाल्गुनी पाठक’ है। इसमें गानों को इस तरह जोड़ा गया है कि एक गाना खत्म होते ही अगला गाना शुरू हो जाता है और इससे डांस का सिलसिला बिना रुके चलता रहता है। अपने नए गरबा प्ले लिस्ट को लेकर फाल्गुनी पाठक ने कहा, ‘गरबा मेरे लिए हमेशा लोगों के साथ आने, जश्न मनाने और संगीत व भक्ति में पूरी तरह डूब जाने



का जरिया रहा है। ‘गरबा नाइट्स विद फाल्गुनी पाठक’ के जरिए इस नवरात्रि के लिए एक बिल्कुल नया म्यूजिकल सफर

तैयार किया गया है। मैं इस बात को लेकर उत्साहित हूँ कि लोग इन गानों को सुनें, गरबा करें, साथ मिलकर जश्न मनाएं और इन धुनों के साथ खूबसूरत यादें बनाएं। ‘उन्होंने कहा, ‘‘गरबा नाइट्स विद फाल्गुनी पाठक’’ को खास तौर पर गरबा और नवरात्रि के आयोजनों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसे दोस्तों और परिवार के साथ होने वाली छोटी-बड़ी महफिलों में भी सुना जा सकता है। गानों को इस तरह रखा गया है कि म्यूजिक शुरू होने के बाद लोग एक और राउंड के लिए मैदान में उतरने से खुद को रोक न पाएं। लगातार चलने वाला यह गरबा नवरात्रि के माहौल में उत्साह बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। ‘

प्रेम कीटाणु: गौरव वर्मा ने सात गानों वाले एल्बम की खास वजह बताई

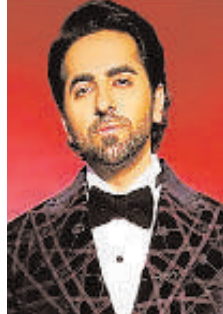
प्रेम कीटाणु:



प्रेम कीटाणु के गौरव वर्मा ने बताया कि फिल्म में सात गानों का एल्बम रखना एक सोच-समझकर लिया गया फैसला है। गौरव वर्मा अपनी आने वाली बड़ी-कॉमेडी फिल्म ‘प्रेम कीटाणु’ लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म उनके अपने प्रोडक्शन बैनर अवनीका फिल्म्स के तहत पहली फिल्म है। फिल्म की कहानी छोटे शहर से बड़े शहर में पढ़ाई और अपनी आजाद जिंदगी की तलाश में आने वाले कुछ लड़कों की है। गौरव वर्मा बताते हैं, ‘यह उन लड़कों की कहानी है जो पढ़ाई के लिए छोटे शहर से बड़े शहर आते हैं और अपनी जिंदगी में कुछ तलाशने की कोशिश करते हैं। हममें से ज्यादातर लोगों ने कभी न कभी ऐसी जिंदगी जी है और संघर्ष किया है, इसलिए यह कहानी आपको अपनी और पुरानी यादों जैसी लगेगी। दूसरी बात यह है कि आज के समय में भी लोगों की जिंदगी में संघर्ष जारी है।’ कई सालों तक स्टूडियो सिस्टम में काम करने के बाद अब अपने प्रोडक्शन बैनर के साथ काम करने को लेकर गौरव कहते हैं कि निर्माता की जिम्मेदारी में ज्यादा बदलाव नहीं आता। वह कहते हैं, ‘फर्क सिर्फ इतना है कि अब अपना बैनर है।

‘उड़ता तीर’ इतनी जल्दी ‘धुरंधर’ जैसी फिल्म!

आयुष्मान खुराना और सारा अली खान स्टार ‘उड़ता तीर’ का ट्रेलर देखकर लोग इस फिल्म की तुलना ‘धुरंधर’ से कर रहे हैं। लोगों ने कहा है कि इस फिल्म का कॉन्सेप्ट मस्त लग रहा। वहीं काफी लोगों ने कहा है- ये तो ‘धुरंधर’ की कॉमेडी वर्जन है और



पाकिस्तान की ओर से जवाबी फिल्म, जरूर देखेंगे। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान स्टार ‘उड़ता तीर’ का शानदार ट्रेलर रिलीज हो गया है। ये ट्रेलर 3 मिनट 18 सेकेंड लंबा है जिसमें केवल देशभक्ति, एक्शन और स्पाई थ्रिल ही नहीं बल्कि थोड़ा-थोड़ा ‘धुरंधर’ का जलवा भी देखने को मिल रहा है। अगर आपको लग रहा है कि फिल्म की कहानी ‘धुरंधर’ जैसी बुनी गई है तो ऐसा नहीं है बल्कि ये एक नई कहानी है। ट्रेलर देखकर लोग अभी से फिल्म की तारीफें करने लगे हैं। इस कहानी में भी एक तरफ हिंदुस्तान और दूसरी तरफ पाकिस्तान...और दोनों के बीच बदला और दुश्मनी की कंची दीवारें। जहां ‘धुरंधर’ की कहानी आपको सीरियल खती है वहीं इस फिल्म की खूबसूरती ये है कि बदला लेने की इस कहानी में आपको बीच-बीच में हंसी भी आएगी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में महिला सुरक्षा को लेकर सरकार और पुलिसविभाग सख्त, कई जरूरी निर्देश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में हाल ही में हुए आस्था पार्क गैंग रेप मामले के बाद एक बार महिला सुरक्षा को मुद्दा फिर से सुर्खियों में है. महिलाओं से संबंधित बढ़ते अपराधों को देखते हुए, दिल्ली के उपराज्यपाल और पुलिस आयुक्त ने महिला सुरक्षा पर गंभीर चिंता जताई है. इसके मद्देनजर, महिला पुलिसकर्मियों को सड़कों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर गश्त करने के निर्देश दिए गए हैं. इसी कड़ी में राजधानी दिल्ली के अलग- अलग इलाकों से दिल्ली पुलिस का एवशन देखने को मिल रहे है. महिला सुरक्षा को लेकर सार्वजनिक स्थानों जैसे, पार्क, बाजार, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मेट्रो स्टेशन पुलिस की तैनाती देखी जा रही है. कई इलाकों में पुलिस रात्री गश्त लगाती नजर आयी. आयुक्त ने सुझाव दिया है कि मुख्यालय में तमाम अधिकारियों के कार्यालयों में इयुटी करने वाली महिला कर्मियों का इस्तेमाल फील्ड इयुटी में किया जाए. जिसका असर भी दिखा और महिला पुलिसकर्मी तैनात नजर आयीं. बता दें कि महिलाओं से संबंधित अपराध के बढ़ते मामले को देखते हुए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने गंभीर चिंता जाहिर की थी. वहीं घटनास्थल का दौरा करने के दौरान आयुक्त ने पाया कि घटना स्थल के आसपास अंधेरा था, सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे थे. इस तरह की खामियां के बाद आयुक्त ने बुधवार को कई दिशा निर्देश जारी किए, जिनमें डार्क स्पॉट, खराब पड़े स्ट्रीट लाइट और पार्कों के आसपास बंद बूट सीसीटीवी कैमरे की पहचान करने, पार्कों की टूटी दीवारों, गेटों के बारे में सिविक एजेंसियों को सूचित करने, बीट स्टॉफ और सुरक्षा गार्डों की पार्कों में तैनाती जेबकतरों व अपराधियों के पार्कों में प्रवेश पर पाबंदी और पार्कों में फिर से साइकिल गश्त शुरू करने के निर्देश दिए.

दिल्ली-एनसीआरमेंकरवट लेगा मौसम, 3 दिन बारिश का अलर्ट; गर्मी-उमस से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसून की विदाई के बाद भी दिल्ली के मौसम में एक बार फिर बदलाव आने वाला है। शनिवार से अगले तीन दिन तक राजधानी में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इसके साथ तापमान में भी कुछ गिरावट आएगी। हालांकि शुक्रवार को तेज धूप और उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करती रही। शुक्रवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।।दिन का तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।।दिनभर बादलों की आवाजाही के साथ धूप और बादलों के बीच लुकाछिपी जारी रहने की संभावना है। शनिवार से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा।।अगले तीन दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होने से तापमान में कुछ गिरावट आ सकती है।।शुक्रवार सुबह साढ़े नौ बजे दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एयूआई) 84 दर्ज किया गया।।इसे संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में रही। हालांकि मौसम शुक्र होने के साथ हवा की गुणवत्ता में गिरावट शुरू हो गई है।

पुराने ढर्रे पर सुनाया गया फैसला, वृजभूषण के बरी होने पर महिला पहलवानों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के पूर्व सांसद और रेस्टलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को योन उतपीड़न मामले में बरी किए जाने के खिलाफ महिला पहलवानों ने दिल्ली की कोर्ट में अपील की है। अदालत के एक महीने पुराने आदेश को चुनौती देते हुए महिला पहलवानों ने दलील दी है कि यह फैसला ‘पुराने और दकियानुसी’ है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पारंपरिक और रूढ़िवादी सोच पर आधारित है, जो पीड़िताओं से एक निश्चित तरह के व्यवहार की ही अपेक्षा करता है। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के यौन उतपीड़न मामले में कोर्ट ने अपने फैसले में बेहद कड़ी टिप्पणियां की हैं। अदालत ने कहा कि बृजभूषण सिंह के खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे और गढ़े हुए प्रतीत होते हैं और प्रथम दृष्टया पूरा मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित साजिश का एवशन लगता है। अदालत ने तीन अगस्त को बृजभूषण सिंह और ब्रह्मब्र के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर को मामले में बरी कर दिया था। राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्याधिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पवार ने कहा कि अभियोजन के मामले की अहम कड़ी रहें दो महिला पहलवान अदालत में अपने आरोपों से मुकर गईं।

जेन जी वोटर पर सियासत तेज: जयराम रमेश बोले- युवाओं से डरते हैं पीएम

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस फैसले का जिक्र किया, जिसके तहत 1988 में मतदान की न्यूनतम उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष की गई थी। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि एक प्रधानमंत्री ने युवाओं को मतदान का अधिकार दिया, जबकि दूसरा जेन जी से यह अधिकार ‘हथियाने’ की कोशिश कर रहा है।

जयराम रमेश ने कहा, ‘यह दो प्रधानमंत्रियों की कहानी है। दिसंबर 1988 में राजीव गांधी सरकार ने संसद के नियमित शीतकालीन सत्र में संविधान के अनुच्छेद 326 में संशोधन कर मतदान की न्यूनतम उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष की थी। उन्होंने इसे युवाओं को सशक्त बनाने वाला कदम बताया। ‘ कांग्रेस सांसद ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 2024 से मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) को रोक दिया गया है, जिससे जेन जी के नए मतदाताओं के नाम

मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा, ‘एक प्रधानमंत्री ने जेन जी को वोट का



अधिकार दिया, जबकि दूसरा इसे छीनने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल करने पर तुल हुआ है। ‘

रेल यात्री ध्यान दें, गाजियाबाद में साढ़े 7 घंटे का मेगा ब्लॉक; बदले गए 8 प्रमुख ट्रेनों के रूट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मंडल के गाजियाबाद यार्ड में संरक्षा कार्य के चलते चार दिसंबर को साढ़े सात घंटे का टैफिक ब्लॉक लिया जाएगा। इसके कारण ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी। रेलवे ने आठ ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया है। बदले मार्ग से चलने के कारण कई ट्रेनों के निर्धारित स्टॉपिज भी छूटेंगे।

इंदौर-जंक्शन-ऊना हिमाचल एक्सप्रेस (19307): चार दिसंबर को यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन जंक्शन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-लोनी-शामली-टपरी के रास्ते चलेगी। इसका मेरठ सिटी स्टॉपिज छूटेगा।

कोटा-देहरादून नंदा देवी एक्सप्रेस (12401): यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन जंक्शन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-लोनी-शामली-टपरी-रुड़की के रास्ते चलेगी। निर्र्धारित मार्ग के गाजियाबाद-मेरठ सिटी-रेलबंद-बानेड़ा खास के बजाय यह मार्ग अपनाया जाएगा। इसके गाजियाबाद, मेरठ सिटी और मुजफ्फरनगर स्टॉपिज छूटेंगे।

बांद्रा टर्मिनल-हरिद्वार एक्सप्रेस (19019): चार दिसंबर को यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन जंक्शन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-लोनी-शामली-टपरी के रास्ते चलेगी। इसके गाजियाबाद, मेरठ सिटी और मुजफ्फरनगर स्टॉपिज छूटेंगे।

नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत को लेकर खोले पत्ते: रिश्तों को बताया बेहतरीन, जयशंकर से मुलाकात का भी किया जिक्र

वॉशिंगटन , एजेंसी। न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि दोनों देशों के राजनीतिक संबंधों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आता रहा है, लेकिन अभी नेपाल और भारत के बीच रिश्ते अच्छे दौर में हैं। उन्होंने कहा कि काठमांडो भारत के साथ संबंधों में मतभेदों के बजाय अवसरों पर ध्यान देते हुए व्यावहारिक तरीका अपना रहा है।

शिशिर खनाल ने कहा कि नेपाल और भारत के संबंध बहुत मजबूत और कई स्तरों वाले हैं। उन्होंने बताया कि नेपाल के कुल व्यापार का करीब दो-तिहाई हिस्सा भारत के साथ होता है। दोनों देशों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक संबंध भी काफी मजबूत हैं। खनाल ने कहा कि राजनीतिक स्तर पर कभी-कभी रिश्तों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है, लेकिन मौजूदा समय में दोनों देशों के संबंधों को वह बेहतरीन मानते हैं। उन्होंने यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल की नई सरकार के बीच संबंधों से जुड़े सवाल के जवाब में कही। खनाल ने बताया कि उन्होंने न्यूयॉर्क में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की है। दोनों नेताओं के बीच भारत-नेपाल संबंधों और आपसी हित के मुद्दों पर बातचीत हुई। इसमें विकास साझेदारी और ऊर्जा सहयोग की प्रगति पर चर्चा हुई। नेपाल के विदेश मंत्री ने भारत के



साथ संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। यह बातचीत संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र से इतर हुई। भारत और चीन के बीच संतुलन को लेकर पूछे गए सवाल पर खनाल ने कहा कि नेपाल अब रिश्तों को केवल वैचारिक नजरिए से देखने के बजाय व्यावहारिक सहयोग पर ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों के साथ सीमा जैसे विवादित मुद्दे हो सकते हैं, लेकिन नेपाल का मौजूदा तरीका यह देखने का है कि सहयोग के कौन-कौन से अवसर मौजूद हैं। भारत के साथ ऊर्जा व्यापार को उन्होंने इसी व्यावहारिक नीति का उदाहरण बताया। खनाल ने कहा कि नेपाल की अर्थव्यवस्था आयात पर काफी निर्भर है,

कांग्रेस ने गुरुवार को आरोप लगाया था कि जेन जी को मतदाता सूची से बाहर रखने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग भी की थी। विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा था कि पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उसके अनुसार ‘साजिश’ के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा।

जयराम रमेश ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री यह सुनिश्चित करने पर जोर दे रहे हैं कि जेन जी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज न हों। उन्होंने दावा किया कि युवाओं में सरकार के प्रति असंतोष को देखते हुए चुनाव आयोग के प्रमुख के जरिए उन्हें मतदाता सूची से दूर रखने की कोशिश की जा रही है। रमेश ने कहा था कि हर साल मतदाता सूची में संशोधन के लिए होने वाला एसएसआर रोक दिया गया है। उनके मुताबिक, यही वह प्रक्रिया है जिसके जरिए खासकर 18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाते हैं।

रेस कोई और दौड़ा, हाइट किसी और की नापी, दिल्ली पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा का खुलासा

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली पुलिस में सिपाही के पदों पर भर्ती के लिए चल रही शारीरिक सहनशक्ति और माप परीक्षा (क़द्मरूख़) के दौरान एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है. वजीरबाद स्थित दिल्ली पुलिस अकादमी (क़द्म) में चल रही चयन प्रक्रिया में एक ऐसा मामला पकड़ा गया, जहां असली अभ्यर्थी की जगह उसका सॉल्वर मैदान में दौड़ लगाकर चला गया और खुद अभ्यर्थी अपनी पीठ पर चेस्ट नंबर चिपकाकर सिर्फ माप (मेजरमेंट) कराने पहुंच गया. सतर्क साथी अभ्यर्थियों की सजगता और पुलिस की मुस्तैदी से यह फर्जीवाड़ा बेनकाब हो गया. पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कर ली है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस अकादमी वजीरबाद में दिल्ली पुलिस सिपाही भर्ती के लिए फिजिकल टेस्ट चल रहा है. इसी दौरान 1600 मीटर की लंबी दौड़, लंबी कूद और ऊंची कूद के कड़े शारीरिक चरणों को पार करने के बाद उम्मीदवारों की छतरी और ऊंचाई की माप तथा बायोमेट्रिक औपचारिकताएं पूरी की जानी थीं. इसी प्रक्रिया के दौरान 19 वर्षीय एक अभ्यर्थी, जिसकी पहचान अश्वत (पुत्र, निवासी- वीपीओ

सिलाना, जिला सोनीपत, हरियाणा) के रूप में हुई है, को सदिग्ध परिस्थितियों में देखा गया. मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और वहां खड़े



अन्य उम्मीदवारों का ध्यान इस बात पर गया कि इतनी भारी-भरकम शारीरिक गतिविधियों और पसीने से तरबतर कर देने वाले दौर के बावजूद अश्वत के शरीर पर न तो एक बूंद पसीना था और न ही मैदान की कोई धूल-मिट्टी.अन्य उम्मीदवारों ने तुरंत इस पर आपत्ति जताई और अधिकारियों को सूचित किया कि यह वही लड़का नहीं है जिसने मैदान पर दौड़ और कूद जैसी शारीरिक परीक्षाएं वास्तव में दी थीं. मामला सदिग्ध लगने पर पुलिस ने अश्वत को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की. पूछताछ के दौरान अश्वत ने स्वीकार किया कि उसने खुद दौड़ में हिस्सा नहीं लिया था. उसके भाई ने उसकी जगह परीक्षा पास कराने के लिए

एक अन्य सॉल्वर का इंतजाम किया था. वह सॉल्वर एक टेपर्ड फर्जी एथमेट कार्ड के जरिए शांतिर तरीके से अकादमी के अंदर घुस गया

था. उस फर्जी अभ्यर्थी ने अश्वत की जगह मैदान पर सारी कठिन शारीरिक गतिविधियां पूरी कीं. इसके बाद, जब दौड़ और कूद का चरण समाप्त हो गया, तो वह सॉल्वर चुपचाप बाहर निकल गया और जाते-जाते अपना चेस्ट नंबर असली अभ्यर्थी अश्वत को सौंप गया, ताकि वह बायोमेट्रिक और माप परीक्षण के चरण में आसानी से शामिल हो सके. दिल्ली पुलिस ने आरोपी अभ्यर्थी अश्वत को तुरंत सोनिया विहार पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में धोखाधड़ी, दस्तावेजों से छेड़छाड़ और साजिश रचने की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली.

रूस सिर्फ युद्धविराम को नहीं बल्कि वैश्विक शांति को बाधित करने के लिए वीटो कर रहा: यूक्रेन विदेश मंत्री

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 में से 14 सदस्य देश युद्ध समाप्त करने के पक्ष में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस रुख का विरोध करने वाला एकमात्र देश खुद रूस है। विदेश मंत्री के मुताबिक, रूस अपनी वीटो पावर (निषेधाधिकार) का इस्तेमाल सिर्फ युद्धविराम रोकने के लिए नहीं, बल्कि वैश्विक शांति को बाधित करने के लिए कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह संघर्ष केवल यूक्रेन या यूरोप तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा है। यूक्रेन पूर्ण और बिना किसी शर्त के युद्धविराम के लिए पूरी तरह तैयार है। सिबिहा ने सोशल मीडिया?या ट्विटरफॉर्म ‘एव?स’ पोस्ट?ट में कहा, ‘संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 15 सदस्य हैं। इनमें से 14 सदस्य किसी न किसी रूप में तुरंत युद्धविराम का समर्थन करते हैं। इनमें चार स्थायी सदस्य भी शामिल हैं। सिर्फ एक देश लड़ाई खत्म होने की राह में रुकावट डाल रहा है और वह खुद हमलावर देश है।’ सिबिहा ने कहा कि रूस सिर्फ युद्धविराम को वीटो नहीं कर रहा, बल्कि शांति को वीटो कर रहा है। पुतिन इस युद्ध को बहुत पहले खत्म कर सकते थे, लेकिन वह हर दिन तनाव और लड़ाई को और बढ़ाने का रास्ता चुन रहे हैं। उन?होंने कहा कि यह युद्ध रुकना चाहिए। यूक्रेन इसे अभी खत्म करना चाहता है। हम पूर्ण और बिना किसी शर्त के युद्धविराम के लिए तैयार हैं। हम ऊर्जा और खाद्य से जुड़े मामलों में भी युद्धविराम के लिए तैयार हैं।



नेपाल-चीन सीमा पर बाढ़ के एक महीने बाद भी 50 से ज्यादा यूक्रेनी लापता, परिवारों को जवाब का इंतजार

काठमांडू, एजेंसी। ओलेना कलिनचिंचेको चीन से खरीदी गई गुलदाउदी की चाय अपने साथी के साथ साझा करने का इंतजार कर रही थीं। उनके साथी ओलेस विसिच ने कहा, ‘उन्होंने कहा था, जब मैं घर लौटूंगी तो हम चीनी फूलों से बनी चाय साथ में पिरेंगे।’ अब वह एक महीने से ओलेना की खबर का इंतजार कर रहे हैं। ओलेना और हजारों अन्य लोग नेपाल-चीन सीमा पर आई भीषण बाढ़ के दौरान लापता हो गए थे। ओलेना के आखिरी ज्ञात लोकेशन स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजकर 22 मिनट पर एक सीमा चौकी

से चीन से बाहर निकलते समय दर्ज हुई थी। इसके 15 मिनट बाद बाढ़ आई थी। 36 वर्षीय कलिनचिंचेको उन 56 लोगों के समूह का हिस्सा थीं, जिनमें ज्यादातर यूक्रेनी नागरिक थे। यह समूह आध्यात्मिक प्रवास के लिए तिब्बत स्थित कैलाश पर्वत गया था। इन परिवारों की स्थिति बताती है कि आपदा में लापता लोगों को बचाने, उनके शव बरामद करने और उनकी पहचान करने की प्रक्रिया कितनी जटिल और समय लेने वाली हो सकती है। लापता लोगों की संख्या को देखते हुए इस प्रक्रिया में कई महीने लगने की संभावना

है। ये लोग घर लौटते समय चीन से नेपाल की ओर जाते हुए लापता हुए। कुछ रिश्तेदारों से कहा है कि उन्हें अधिकारियों से कोई जानकारी नहीं मिली है। चीनी सरकार ने कम से कम दो परिवारों को बताया है कि उनके रिश्तेदार बाढ़ आने से पहले ही चीन की सीमा से बाहर निकल गए थे। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है कि वे नेपाल पहुंचने पर या नहीं। नेपाल का आब्रजन थिसर और उससे जुड़े रिकॉर्ड बाढ़ में नष्ट हो गए हैं, जिससे लापता लोगों की आवाजाही की पुष्टि करना और भी मुश्किल हो गया है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेंद्र मालवीय द्वारा श्री सिध्दी विनयक प्रिंटेर्स 26 बी देशबंशु परिसर प्रेस काम्लेक्स ज़ोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेंद्र मालवीय कार्यालय पता:-एच. 21 अकित अपार्टमेंट ब्रम्हेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

डाक पंजीकरण संख्या-MP/IDC/1619/2024-2026

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाएं, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वयं जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नहीं है।

